पौष शुक्ल पक्ष - 2-3, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 169 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 दिसंबर 2025 सोमवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

आज का मौसम
25.6 अधिकतम
8.8 न्यूनतम

कोहरे की चादर : रीवा और दतिया में विजिबिलिटी सिर्फ 50 मीटर

भोपाल में मामूली राहत, पचमढ़ी 4.6° पर सबसे ठंडा, अब पड़ेगा मावठा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में कड़ाके की सर्दी के बीच एक हफ्ते बाद भोपाल में मामूली राहत महसूस की जा रही है। 5 से 6 डिग्री के बीच चल रहा न्यूनतम तापमान आज तड़के 8.8 डिग्री पर पहुंच गया है। प्रदेश का अकेले हिल स्टेशन पचमढ़ी 4.6 डिग्री के साथ सबसे ठंडा रहा। उधर, 10 से ज्यादा जिलों में घना कोहरा पड़ रहा है। जिससे दृश्यता न्यूनतम हो गई है। अगले 3-4 दिनों के बाद मौसम विभाग ने मावठे वाली बारिश की संभावना व्यक्त की है। कोहरे के कारण दिल्ली से आने वाली ट्रेनें देरी से चल रही है।

कोहरे से दतिया और रीवा में हालात सबसे ज्यादा खराब रहे। यहां विजिबिलिटी घटकर सिर्फ 50 मीटर रह गई, यानी 50 मीटर के बाद कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था। ग्वालियर, जबलपुर, खजुराहो और सतना में दृश्यता 50 से 200 मीटर के बीच दर्ज की गई। वहीं उमरिया में विजिबिलिटी 500 से 1000 मीटर, नौगांव, सागर और दमोह में 200 से 500 मीटर रही। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक सुबह और रात के समय कोहरा और ठंड का असर बना रह सकता है। वाहन चालकों को खास सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि अनेक स्थानों पर वाहनों के टकराने की घटना सामने आ रही है। वहीं बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचाव रखने की जरूरत है।

देश का हाल : कांपा उत्तर भारत, धुंध से वैष्णो देवी की हेलीकॉप्टर यात्रा पर असर

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हिमपात और बूंदाबांदी के साथ मैदानी इलाकों में कोहरे के साथ शीतलहर ने ठंड बढ़ा दी है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार में कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से सड़कों पर वाहन रेंगते रहे तो रेल यातायात के साथ विमानों का परिचालन भी प्रभावित हुआ। धुंध के कारण श्री माता वैष्णो देवी में कटड़ा-सांझीछत हेलीकॉप्टर सेवा प्रभावित हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में वृद्धि के बाद लगातार चार दिन तक 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान है। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में रात और सुबह के समय घना कोहरा छाया रहेगा और शीतलहर चलती रहेगी। दिल्ली के लिए ठंड और कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

जम्मू व कटड़ा में हल्की बारिश: घाटी के अन्य हिस्सों में भी तेज बारिश ने लोगों को बाहर नहीं निकलने दिया। जम्मू व कटड़ा में हल्की बारिश हुई है। बर्फबारी के कारण जिला राजोरी और पुंछ को शोपियां (कश्मीर) से जोड़ने वाले मुगल मार्ग पर एहतियातन यातायात को बंद कर दिया गया है। मौसम में आए बदलाव से घाटी में दिन के तापमान में गिरावट आई है, जबकि रात का बढ़ा है। हिमाचल प्रदेश के रोहतांग, शिंकुला, बारालाचा, धौलाधार की पहाड़ियों सहित लाहुल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात हुआ। रोहतांग व कुंजम दर्रे में आधा फीट हिमपात हुआ है। चुराह, भरमौर व चंबा में बूंदाबांदी हुई।

दिल्ली में 110 उड़ानें रद्द : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दृश्यता कम होने के कारण 110 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि 700 से अधिक उड़ानें देरी से चलीं। दिल्ली आने वाले चार विमानों को डायवर्ट कर जयपुर और अहमदाबाद के हवाई अड्डों पर भेजा गया। इस सप्ताह 15 से लेकर 21 दिसंबर तक कोहरे के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर रद्द होने वाली उड़ानों की कुल संख्या 806 तक पहुंच गई है।

न्यूज विंडो

कोलकाता में सोते हुए जले एक ही परिवार के चार लोग

कोलकाता, एजेंसी। हावड़ा जिले के जयपुर थाना अंतर्गत साउड़िया सिंहपाड़ा में आधी रात को एक कच्चे मकान में आग लग गई। इस आग की चपेट में आकर चार लोगों की मौत हो गई। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर एक ही कमरे में सो रहे थे। देर रात अचानक आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि घर के अंदर मौजूद किसी भी सदस्य को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। चारों की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। मृतकों में 75 वर्षीय दुर्योधन दोलुई, 42 वर्षीय दूधकुमार दोलुई, 38 वर्षीय अर्चना दोलुई और 14 वर्षीय शम्पा दोलुई शामिल है।

जकार्ता में बैरियर से टकराई बस, 16 की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में एक भीषण सड़क हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई है। हादसाआधी रात को हुआ, जब 34 यात्रियों को लेकर जा रही बस एक कंक्रीट के बैरियर से टकरा गई। हादसे में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए हैं। सर्च और राहत एजेंसी के प्रमुख बुडियोनो ने बताया कि बस ड्राइवर ने बस पर से नियंत्रण खो दिया और बस एक कंक्रीट के बैरियर से टकराकर पलट गई। हादसे का शिकार हुई बस राजधानी जकार्ता से प्राचीन शाही शहर योग्यकार्ता जा रही थी। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सवा दो करोड़ बोतल सिरप बेचा, 500 करोड़ की तस्करी

लखनऊ, एजेंसी। नशीले कफ सिरप की तस्करी करने वाले सिंडिकेट की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपियों में शामिल शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला जायसवाल ने रांची की शैली ट्रेडर्स के जरिये अकेले 2.24 करोड़ सिरप की बोतलों को बेचा। दोनों ने 500 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की सिरप की तस्करी की। नेताओं व माफिया के संरक्षण की वजह से शुभम दुबई भागने में कामयाब रहा। ईडी उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराने जा रहा है।

बाबरी विवाद वाले टीएमसी विधायक ने बनाई नई पार्टी

कोलकाता, एजेंसी। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अपनी अलग राजनीतिक पार्टी का ऐलान कर दिया है। कबीर ने अपनी पार्टी का नाम जनता उन्नयन पार्टी रखा है। पार्टी के चुनाव चिन्ह के लिए हुमायूं कबीर ने कहा कि उनकी पहली पसंद 'टेबल' है। दूसरी पसंद जोड़े गुलाब (ट्विन रोजेज) है। हुमायूं कबीर ने बताया कि वह जरूरत पड़ने पर सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीवार उतारेंगे। हालांकि आज दोपहर में वह जिले के रेजीनगर में आयोजित सभा से पार्टी के नाम की औपचारिक घोषणा करेंगे। सभा को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

आज का कार्टून

कल हटा दी थीं कुछ तस्वीरें

एपस्टीन फाइल्स में ट्रम्प की फोटो फिर अपलोड

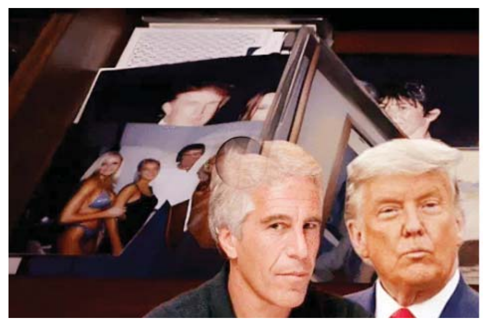

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में शामिल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो को फिर से जारी कर दिया है। इसमें मेलानिया ट्रम्प की भी तस्वीर है। डिपार्टमेंट ने कहा है कि इस फोटो में एपस्टीन मामले के किसी भी पीड़ित को नहीं दिखाया गया है। न्यूयॉर्क के सरकारी वकीलों ने पहले इस तस्वीर पर आपत्ति जताई थी, क्योंकि इससे पीड़ितों की पहचान उजागर होने का खतरा हो सकता था। इसलिए एहतियात के तौर पर इस तस्वीर समेत कुल 16 फाइलों को कल वेबसाइट से हटा दिया गया था। जांच के बाद ऐसा कोई खतरा नहीं मिला, इसलिए फोटो को बिना किसी बदलाव के दोबारा जारी कर दिया गया। इससे पहले सीएनएन ने बताया था कि एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में से कई फाइलें वेबसाइट से हटा दी गई थीं। इनमें ट्रम्प की यह फोटो भी शामिल थी। कुछ अन्य फाइलों में आपत्तिजनक तस्वीरें और नोट्स थे।

विपक्ष बोला- ट्रम्प को बचाने की कोशिश

तस्वीर हटाने के बाद डेमोक्रेट नेताओं ने आरोप लगाए थे कि सरकार ट्रम्प को बचाने की कोशिश कर रही है। हालांकि डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने साफ कहा कि इसका ट्रम्प से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि पीड़ितों के अधिकारों से जुड़े समूहों ने फोटो हटाने को कहा था, ताकि सही जांच हो सके। जस्टिस डिपार्टमेंट ने कहा है कि वह पूरी पारदर्शिता रखता है और सिर्फ वही जानकारी हटाता है जो कानून के मुताबिक जरूरी हो।

इंजन फेल, दिल्ली में एयर इंडिया के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

335 यात्री सवार थे

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली से मुंबई के लिए आज सुबह उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यात्रियों में घबराहट फ़ैल गई। पायलट ने सूझबूझ का परिचय दिया और आनन-फानन में विमान की दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में 335 यात्री सवार थे। बताया गया है कि जहाज का एक इंजिन फेल हो गया था। फिलहाल, सभी यात्री सुरक्षित हैं, मगर सबके जहन में अहमदाबाद प्लेन क्रैश की याद ताजा हो गई थी। एयर इंडिया की उड़ान एआई887 के पायलट को तकनीकी गड़बड़ी के संकेत मिलने पर फ्लाइट क्रू ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन किया। सूत्रों के मुताबिक इंदिरागांधी एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद विमान के इंजन नंबर नंबर 2 में ऑयल प्रेशर जीरो हो गया था। इसकी भनकर जैसे ही पायलट को लगी, इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया गया। इसके बाद पायलट ने तकनीकी खामी दिखने पर दिल्ली एयरपोर्ट से संपर्क किया। एयरपोर्ट पर कर्मचारियों ने विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयारियां कर ली थीं।

तकनीकी रूप से गंभीर स्थिति

प्लेन के इंजन में ऑइल प्रेशर जीरो होना तकनीकी रूप से बेहद गंभीर स्थिति मानी जाती है, लेकिन इसका मतलब हमेशा तुरंत क्रैश नहीं होता। ऑइल का दबाव खत्म होने पर इंजन के मूविंग पार्ट्स तक लुब्रिकेशन नहीं पहुंच पाता। यह बहुत गंभीर स्थिति होती है, लेकिन कंट्रोल में रहती है। ऑइल प्रेशर जीरो होने पर भी उड़ान जारी रखी जाती है तो इंजन कुछ ही मिनटों में ओवरहीट हो सकता है। अगर ज्यादा देर तक चलाया जाता है तो इंजन फेल हो सकता है। लेकिन आजकल प्लेन एक इंजन पर भी सुरक्षित लैंड कर सकता है। ऐसी कंडीशन में पायलट इंजन पावर कम या फिर बंद कर देते हैं और नजदीकी एयरपोर्ट पर लैंडिंग कर लेते हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच बड़ा व्यापार समझौता

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर लग गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लस्कन ने इस सिलसिले में टेलीफोन पर बातचीत की और दोनों नेताओं ने मिलकर एक अहम भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की घोषणा की। दोनों देशों के बीच 20 मिलियन डॉलर का निवेश होगा। बता दें, ओमान, ब्रिटेन, ईएफटीए देशों, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस के बाद पिछले कुछ वर्षों में यह भारत का 7वां एफटीए है।

नितिन नबीन से मिले मोहन यादव

नईदिल्ली। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज बिहार भवन में भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से सौजन्य मुलाकात की।

शिक्षिका ने स्टील बॉटल से फोड़ा छात्र का सिर

रीवा, एजेंसी

रीवा में निजी स्कूल की शिक्षिका ने 11 साल के छात्र के सिर पर स्टील की वाटर बोतल दे मारी। उसे बार-बार दीवार पर पटका। बच्चा खून से लथपथ हालत में घर पहुंचा। स्कूल प्रबंधन ने न तो उसका इलाज कराया और न ही परिजन को सूचना दी। मारपीट की वजह इतनी थी कि छात्र ने होमवर्क पूरा नहीं किया था। घटना जेंटल शेफर्ड हायर सेकेंडरी स्कूल की है। पीड़ित बच्चे की बहन भी इसी स्कूल में पढ़ती है। जब उसने भाई को पिटता देख बीच-बचाव की कोशिश की, तो शिक्षिका मनीषा विश्वकर्मा ने उसके साथ भी मारपीट की।

मेट्रो में 25 किलो सामान की अनुमति, थूका तो जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में मेट्रो सेवा शुरू हो गई है और अन्य महानगरों की तरह ही यहां भी यात्रियों को कई पाबंदियों से गुजरना पड़ रहा है। ऐसे में मेट्रो के यात्रियों को कई बातों का ख्याल रखने की जरूरत है ताकि उनके सफर में कोई रुकावट न हो।

तय किया गया है कि भोपाल मेट्रो में यात्री अपने पालतू पशु-पक्षी के साथ सफर नहीं कर सकेंगे। शराब की 2 बोतलें ले जाने की अनुमति जरूर मिल सकती है, लेकिन शर्त रहेगी कि बोतल सीलबंद हो। यात्री अपने साथ पेट्रोल-डीजल, हथियार, खुले बीड़ी-सिगरेट, माचिस-लाइटर, गुटखा, तंबाकू, सूखा नाश्ता भी नहीं ले जा सकते। मोबाइल या स्मार्ट वॉच की परमिशन है लेकिन ड्रोन, सैटेलाइट फोन, पोर्टेबल और रेडियो संचार उपकरण, कैमरा ले जाने की मनाही है। संक्रामक रोग से ग्रसित व्यक्ति, मानसिक रूप से परेशान और असंयमी, शराबी पैसेंजर सफर नहीं कर सकेगा। विमान की तरह ही इसमें सामान का वजन भी तय है। मेट्रो में आप अधिकतम 25 किलो वजन तक ही सामान ले जा सकते हैं।

यात्रियों के चेहरे पर खुशी : पेज 2

बेवजह इमरजेंसी बटन दबाया तो 10 हजार जुर्माना

यदि मेट्रो में सफर के दौरान बेवजह इमरजेंसी बटन दबाया तो आप पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लग सकता है। मेट्रो अफसरों के अनुसार, ऐसे अलग-अलग केसों में 200 से 10 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। मेट्रो के अंदर या स्टेशन पर थूकने पर 200 रुपए लगेंगे। बिना टिकट यात्रा करने पर सभी स्टेशनों पर लगने वाले किराए समेत 50 रुपए अलग से देने होंगे।

मेट्रो एंकर

विशेषज्ञ की सलाह... घबराहट में न उठाएं कदम, धड़कन और सांस चेक करें

हर बेहोश व्यक्ति को न दें सीपीआर, जानलेवा होने का खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी

सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) एक लाइफ सेविंग तकनीक है, जो कार्डियक अरेस्ट आने पर जान जाने का खतरा कम कर सकती है। इन स्थितियों में मरीज बेहोश होकर गिर जाता है और इसके तुरंत बाद ही सीपीआर देनी चाहिए। हालांकि आम तौर पर लोग घबराहट में हर बेहोश हो जाने वाले व्यक्ति को सीपीआर देने की कोशिश करते हैं। अब डॉक्टर इससे बचने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि ऐसा करना जानलेवा हो सकता है। इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी एंड इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट एंड एचओडी डॉक्टर बिनय कुमार पांडे का कहना है कि जब कोई व्यक्ति बेहोश होता है तो पैनिक में लोगों को लगता है कि सीपीआर की जरूरत होगी। लेकिन हर बेहोश व्यक्ति को सीपीआर की जरूरत नहीं होती है।

अगर व्यक्ति की धड़कन और सांस चल रही है तो ऐसे पीड़ित को बिल्कुल भी सीपीआर नहीं देनी चाहिए। इससे उसे फायदा मिलने की जगह नुकसान हो सकता है। डॉक्टर बिनय के मुताबिक सीपीआर की जरूरत तब ही होती है, जब व्यक्ति प्रतिक्रिया ना दे रहा हो, सामान्य रूप से सांस ना ले रहा हो और उसकी नब्ज ना चल रही हो। तेज धड़कन की स्थिति को टैकीकार्डिया कहते हैं और इसमें दिल का धड़कना जारी रहता है। ऐसे में सीपीआर देना खतरनाक हो सकता है। बेहोशी के अन्य कारण भी हो सकते हैं जैसे लो ब्लड प्रेशर, डिहाइड्रेशन, हीट एग्जॉशन, एंग्जायटी या दिमाग को जाने वाले ब्लड फ्लो में अस्थाई बाधा? डॉक्टर का कहना है कि सबसे पहले बेहोश व्यक्ति की ब्रीदिंग और रेस्पॉन्स चेक करें। अगर उसकी सांस और नब्ज चल रही है तो सीपीआर ना दें। बल्कि उसे जमीन पर पीठ के बल लेटाकर उसके पैरों को धीरे से ऊपर उठाए रखें, जिससे ब्लड फ्लो दिमाग की तरफ बेहतर हो। उसके कपड़े ढीले करें और ताजी हवा आने दें। होश आने पर व्यक्ति को धीरे से उठाकर बैठाएं। अगर बेहोशी एक मिनट से ज्यादा रहती है और सीने में दर्द, तेज धड़कन या दिल की बीमारी है तो तुरंत डॉक्टर की मदद लें।

नब्ज चलने पर सीपीआर ना दें

अपने आप को शांत रखें और व्यक्ति के होश, सांस और नब्ज को चेक करें। अगर व्यक्ति की सांस असामान्य है, सीने में दर्द, दौरे या बार बार बेहोशी हो रही है तो अस्पताल की एमरजेंसी से बात करके एंबुलेंस बुलाएं। मदद आने तक मरीज को गर्म रखें और उसकी हालत पर नजर बनाए रखें। सांस और नब्ज चलने पर सीपीआर ना दें। मरीज को तेज ना हिलाएं या जबरदस्ती खड़ा ना करें या कुछ ना पिलाएं। मरीज के आसपास भीड़ ना लगाएं और कोई दवा देने की कोशिश ना करें। अगर डॉक्टर ने नहीं बता रखी है तो।

एम्स में डॉक्टरों को बाहर से जांच ना कराने के निर्देश, अंदर सुविधा नहीं.. मरीज परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स में इन दिनों मरीज इलाज से पहले ही परेशान हो रहे हैं। वजह है कई बेहद जरूरी जांचों का बंद होना। हालात ऐसे हैं कि डॉक्टर जांच लिख रहे हैं, लेकिन लैब से मरीजों को सीधा जवाब मिल रहा है कि यह जांच फिलहाल बंद है। ब्लड कल्चर, यूरीन कल्चर, हेपेटाइटिस-सी, एएसओ टेस्ट, आरएच फैक्टर, आरएस फैक्टर और एच1-बीएसी जैसी जांचें उपलब्ध न होने से इलाज की पूरी प्रक्रिया लड़खड़ा गई है। जिससे रोजाना एम्स में आने वाले कई मरीज परेशान हो रहे हैं। वहीं, सबसे ज्यादा परेशानी उन मरीजों को हो रही है जो अस्पताल में भर्ती हैं।

दरअसल, भर्ती मरीजों की जांच बाहर से कराने पर रोक है। ऐसे में डॉक्टर सर्जरी से पहले उनकी जांच बहार से नहीं करा पा रहे हैं। वहीं, अंदर सुविधा ही नहीं हैं। इन मरीजों में सबसे बड़ी संख्या गर्भवती महिलाओं, किडनी और लिवर मरीजों के साथ इम्यून सिस्टम से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे लोगों की है। एम्स के बाहर कई बड़े-बड़े निजी सेंटर खुले हुए हैं। जहां ब्रॉन्डिंग इस तरह की जा रही है, जैसे वो एम्स का ही हिस्सा हो। हालांकि, एम्स में जांच ना होने से ओपीडी में आने वाले मरीजों को मजबूरन इन्हीं सेंटर में महंगी जांच करानी पड़ रही है।

डॉक्टर लिख रहे जांच, लैब कर रही मना

एम्स भोपाल में इलाज की पहली कड़ी होती है सटीक जांच। लेकिन पिछले कुछ समय से मरीजों को बार-बार यह सुनने को मिल रहा है कि जरूरी ब्लड टेस्ट फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हेपेटाइटिस-सी, एएसओ, आरएच फैक्टर और आरएस फैक्टर जैसी जांचें रूटीन मानी जाती हैं, लेकिन इनके बंद होने से डॉक्टरों की भी परेशानी बढ़ गई है। कई मामलों में इलाज आगे बढ़ाने से पहले जांच रिपोर्ट अनिवार्य होती है, ऐसे में डॉक्टर भी असमंजस में हैं कि बिना पुख्ता रिपोर्ट इलाज कैसे शुरू किया जाए। वहीं, एम्स के कई डॉक्टर जिला अस्पताल में मौजूद इमेजिंग जांच की रिपोर्ट पर भरोसा नहीं करते हैं। उनका मानना है कि रिपोर्ट की क्वालिटी खराब होती है। ऐसे में मरीजों के सामने में लंबा इंतजार करने या निजी सेंटर से जांच कराने के दो विकल्प बचते हैं। इस संकट की सबसे बड़ी मार गर्भवती महिलाओं पर पड़ रही है। प्रेग्नेंसी के दौरान आरएच फैक्टर, एचआईवी और हेपेटाइटिस-सी जैसी जांचें बेहद जरूरी होती हैं। आरएच फैक्टर से यह तय होता है कि गर्भावस्था सामान्य है या हाई-रिस्क।

सिटी स्कैन और एमआरआई की वेटिंग

एम्स भोपाल में ओपीडी मरीजों और कम गंभीर मरीजों को सिटी स्कैन और एमआरआई जांच के लिए 3 से 6 माह बाद की डेट दी जा रही है। कई बार यह डेट इससे भी आगे की होती हैं। प्रबंधन का इस मामले में तर्क है कि जांच के लिए एक-एक सीटी व एमआरआई की मशीन है। वहीं, मरीजों का लोड इतना है कि यदि 4-4 मशीनें भी लगा दी जाएं तो कम पड़ जाएं। ऐसे में अति गंभीर मरीजों को प्राथमिक्ता दी जाती है। जिससे समय पर इलाज मुहैया करा कर उनकी जांच बचाई जा सके।

बताया गया कि एम्स करीब 6 माह पहले तक मरीजों की पीईटी सिटी स्कैन जांच एमओयू के तहत एक निजी एजेंसी से कराई जा रही थी, लेकिन बाद में यह समझौता भी तोड़ दिया गया।

सयाजी होटल के स्टोर रूम में आग, टेंट का सामान जला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सायाजी होटल के स्टोर रूम में सोमवार सुबह आग लग गई। इससे यहां रखा टेंट का सामान जलकर राख हो गया। करीब डेढ़ घंटे बाद आग काबू में आ सकी। आग की वजह से होटल में अफरा-तफरी का माहौल भी बन गया। सायाजी होटल भदभदा क्षेत्र में सैर सपाटा के ठीक सामने है। होटल कैम्पस में ही आगे की ओर स्टोर रूम बना है। सोमवार सुबह यहां रखा जनरेटर चालू था। इसी दौरान शार्ट सर्किट हुआ और स्टोर रूम में रखें टेंट, चादर आदि में आग लग गई। देखते ही देखते आग तेजी से फैल गई। इसके चलते माता मंदिर समेत आसपास के फायर स्टेशनों से दमकलें मौके पर पहुंचीं। नगर निगम, पुलिस अमला भी मौके पर मौजूद रहा। कपड़ों में आग लगने से लपटें 10 फीट ऊपर तक उठ गई। वहीं, धुआं भदभदा ब्रिज से भी दिखाई दे रहा था। आग तेजी से न फैले, इसलिए होटल के कर्मचारी भी दौड़ पड़े। आग बुझाने में करीब डेढ़ घंटा लगा। इसके बाद सभी ने राहत की सांस ली। बताया जाता है कि आग लगने के दौरान होटल में कई यात्री रुके थे। हालांकि, स्टोर रूम और होटल में 50 मीटर की दूरी है। इसलिए बड़ा हादसा होने की आशंका नहीं थी।

मेट्रो में बैठे यात्रियों के चेहरे झलकी खुशी

भोपाल। रविवार को मेट्रो की शुरुआत के साथ ही लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। किसी ने नाच-गाकर मेट्रो चलने की खुशी जाहिर की। यानी अभी तो मेट्रो एक छोटे हिस्से में चली है। धीरे-धीरे जब यात्री इसमें सफर शुरू करेंगे, तो उन्हें और प्रबंधन, दोनों को इसकी कमियां पता चलेंगी। रविवार को आम यात्रियों के लिए सुबह करीब 9 बजे से मेट्रो का संचालन शुरू हुआ और शाम 7.40 बजे तक चला। शाम 5 बजे तक करीब 5000 टिकट बिके। सुबह 9 बजे चली मेट्रो के तीनों कोच में कुल 212 यात्रियों ने सफर किया। हालांकि, हर कोच में करीब 300 लोग सफर कर सकते हैं।

संत हिरदाराम साहिबजी के 19वें महाप्रयाण दिवस पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में मानव सेवा की पुजारी संत हिरदाराम साहिबजी को याद किया। मौका था 19वां महाप्रयाण दिवस का। संतजी की कुटिया में धार्मिक आयोजन हुए। सेवाधारियों ने कुटिया पर माथा टेककर उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया और पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। महाप्रयाण दिवस के अवसर पर सेवा संकल्प धाम में संतजी के शिष्य सिद्धभाऊजी के सानिध्य में प्रातः छह बजे से धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। तीन दिनों से चल रहे संपद पाठ साहिब का समापन विधिवत हवन के साथ किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों को संत हिरदाराम साहिबजी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज के जरूरतमंद वर्ग की सेवा करने का संदेश दिया गया।शिष्यों ने संभाली कुटिया की जिम्मेदारी संतजी को नमन करने के लिए समाधि स्थल पर सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक श्रद्धालुओं की निरंतर आवाजाही बनी रही। मिश्री का प्रसाद लेकर श्रद्धालु संतजी के बताए सेवा मार्ग पर चलने का संकल्प लेकर लौटे। नवयुवक सभा भवन में भंडारे का आयोजन किया गया। संत हिरदाराम साहिबजी के महाप्रयाण दिवस पर केवल संतनगर ही नहीं, बल्कि अहमदाबाद, उल्हासनगर, मुंबई, राजकोट, अजमेर, जयपुर और उदयपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में भी उनके सेवा दर्शन से प्रेरित संगठनों एवं शिष्यों द्वारा सेवा कार्य किए गए। संस्कार विद्यालय में भी निर्वाण दिवस पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित कर संतजी के आदर्शों को स्मरण किया।

मानव सेवा की राह पर चलने का लिया संकल्प

संतनगर। स्कूलों में मानव सेवा की राह दिखाने वाले संत स्वामी हिरदाराम जी की 19वीं पुण्य तिथि मनाई गई। संतजी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प दोहराया गया। साधु वासवानी स्कूल में संत हिरदाराम साहिब जी की 19वीं पुण्यतिथि श्रद्धा से मनाई गई। विशिष्ठजनों ने संतजी की चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने संत जी के सिमरन और सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने कहा कि जीवन सफल बनाने के लिए स्वयं को निमित्त बनाकर चलना चाहिए, न निंदा करें और न ही निंदा सुनें। सुधार सभा अध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी ने संत जी के सेवा कार्यों को स्मरण करते हुए शिक्षकों से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर जपुजी साहिब एवं सुखमनी पाठ का आयोजन हुआ, जिसके पश्चात आरती, अरदास और प्रसाद वितरण किया गया।

छात्राओं ने दी भावपूर्ण प्रस्तुतियां : नवनिध स्कूल परिसर में संत हिरदाराम साहिब जी के महाप्रयाण दिवस पर भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्राओं ने पायो जी मैंने राम रतन धन पायो, कोई बोले राम राम और 'तेरी है ज़मीं तेरा आसमां' भजन एवं नृत्य की प्रस्तुति दी। की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, कॉर्डिनेटर रीटा आहूजा ने संतजी के जीवन और सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर प्राचार्य अमृता मोटवानी, उप-प्राचार्य सुश्री रेखा केवलानी व छात्राएं तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं।

सुखमनी पाठ साहिब हुआ: लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी, गांधीनगर द्वारा संचालित सभी विद्यालयों में स्वामी हिरदाराम साहिब जी का निर्वाण दिवस मनाया गया। स्कूलों में विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित हुईं, जिसमें द्यार्थियों को संत जी के जीवन, सेवा कार्यों एवं आदर्शों से अवगत कराया गया। तीनों विद्यालयों में सुखमनी साहिब का पाठ आयोजित किया गया, जिसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। शाला सचिव रमेश हिंगोरानी, प्राचार्यों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने श्रद्धांजलि दी।

संतजी की बनी रहे कृपा: नवयुवक सभा द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं ने संतजी की पुण्य तिथि मनाई गई। विद्यालय परिसर में श्री सुखमनी साहिब पाठ और भोग साहब हुआ। सभा के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी ने संत नगर एवं नवयुवक सभा पर संतों की कृपा बनी रहने की कामना की। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी एवं सभी विद्यालयों के प्राचार्यगण, शिक्षक एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

ब्राह्मण समाज 24 से करेगा अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

संतोष वर्मा पर कार्रवाई पर लेकर हुई बैठक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ब्राह्मण रेजिमेंट के तत्वावधान में छत्रपति नगर में ब्राह्मण समाज की बैठक हुई। जिसमें कथित फर्जी आईएएस संतोष वर्मा प्रकरण को लेकर शासन की कार्रवाई पर गंभीर चर्चा की गई।

बैठक में बताया कि ब्राह्मण समाज द्वारा शासन को कथित फर्जी आईएएस संतोष वर्मा को बर्खास्त कर, संपूर्ण जिलों में केस दर्ज कर जेल भेजने के लिए जो समयावधि प्रदान की गई थी, वह 23 दिसंबर को समाप्त हो रही है। यदि निर्धारित समयावधि में शासन द्वारा संतोष वर्मा के विरुद्ध ठोस एवं निर्णायक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो ब्राह्मण समाज 24 से आंदोलन करेगा। सुबह 11 बजे, रोशनपुरा चौराहा पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की जाएगी। यह तब तक जारी रहेगी, जब तक संतोष वर्मा को बर्खास्त कर जेल भेजने की कार्यवाही नहीं की जाती। ब्राह्मण समाज ने शासन से मांग की है कि मामले में शीघ्र न्यायसंगत एवं पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, मातृ शक्ति एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से कैलाश मिश्रा, गौरी शंकर काका, महेश दुबे, दिनेश तिवारी जी, कर्मचारी नेता उमाशंकर तिवारी, पुष्पेन्द्र दीक्षित, शशिकांत शर्मा, फूलचन्द्र शास्त्री सहित अनेक प्रबुद्धजन शामिल हुए।

लाल परेड ग्राउंड में वन मेले का आयोजन

नीरज श्रीधर ने गाए बॉलीवुड के कई गाने, शानदार लाइव प्रस्तुति से झूम उठे श्रोता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वन मेले में रविवार शाम बैंड बॉम्बे वाइकिंग्स के संस्थापक नीरज श्रीधर ने लाइव प्रस्तुति दी। उनकी शानदार परफॉर्मेंस से पूरा आयोजन स्थल संगीत और उत्साह से गूंज उठा। उन्होंने भूल भुलैया का टाइटल ट्रैक, तुम मिले, लव आज कल फिल्म का चोर बाज़ारी, रेडी का कैरेक्टर ढीला और गोलमाल अगेन का मैंने तुझको देखा जैसे सुपरहिट गीत प्रस्तुत किए। श्रीधर ने एक के बाद एक लोकप्रिय बॉलीवुड गीतों की प्रस्तुति दी, जिन पर दर्शक झूमने और साथ-साथ गाने लगे।

जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ा, दर्शक एक साथ नाचते-गाते नजर आए, जो वन मेले के उत्सवपूर्ण माहौल को दर्शाता रहा। इसी दौरान मंच से वन मेला अधिकारियों ने घोषणा की कि मेले में अब तक एक लाख से अधिक दर्शकों की उपस्थिति दर्ज की गई है, जो इस वार्षिक आयोजन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। नीरज श्रीधर ने बताया कि झीलों की नगरी भोपाल में यह उनका दूसरा स्टेज परफॉर्मेंस है। उन्होंने अपनी निजी स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि उनकी बुआ भोपाल में रहती थीं और बचपन में वे कई बार अपनी मां के साथ यहां आए हैं। उन्होंने भोपाल की प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ वातावरण और गर्मजोशी से भरे दर्शकों की जमकर प्रशंसा की। उत्साहपूर्ण समापन ने एक बार फिर साबित किया कि वन मेला भोपाल की प्रमुख सांस्कृतिक पहचान बनता जा रहा है।

मेट्रो एंकर

शहीद भवन में सुभाषचंद्र बोस पर आधारित नाटक का मंचन

नेताजी ने युवाओं में स्वाभिमान और बलिदान की भावना जगाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहीद भवन में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। नाटक में बताया गया कि सुभाषचंद्र बोस बचपन से ही उनमें देशप्रेम और साहस की भावना प्रबल थी। वे अंग्रेज शासन के कट्टर विरोधी थे और भारतीयों को एकजुट होने के लिए प्रेरित करते थे। स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने युवाओं में स्वाभिमान और बलिदान की भावना जगाई। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापान के सहयोग से आजाद हिन्द फौज के गठन और स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष को नाटक में प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया। नाटक ने दर्शकों में देशभक्ति की भावना जागृत की और युवाओं को राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। प्रस्तुति में उनके शिक्षा जीवन का भी उल्लेख किया गया। नाटक में सुभाष के बचपन से लेकर स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका को सरल और सशक्त ढंग से प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और बाद में स्कॉटिश चर्च कॉलेज से दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की। अंग्रेज प्रोफेसर के विरोध में हुई घटना के कारण उन्हें कॉलेज से निष्कासन भी झेलना पड़ा। नाटक में यह भी दर्शाया गया कि उन्होंने भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में उच्च स्थान प्राप्त किया लेकिन देशसेवा के लिए पद त्याग दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में अटल फाउंडेशन द्वारा आयोजित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जन्मशताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए।

रीवा-इंदौर के बीच हवाई यात्रा शुरू, एटीआर 72 ने 70 यात्रियों को लेकर भरी उड़ान

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा एयरपोर्ट से अब दुनियाभर में यात्रा की जा सकेगी। इसके लिए इंटरनेशनल कनेक्टिविटी मिलेगी। इंडिगो एयरलाइंस की रीवा से इंदौर के लिए नियमित उड़ान सेवा सोमवार से शुरु हो गई है। एटीआर 72 विमान ने 70 से अधिक यात्रियों को लेकर सुबह 11.30 बजे रीवा से इंदौर के लिए रवाना हुआ। विमान में डिप्टी सीएम शुक्ल और कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद थे। विमान में रीवा से इंदौर हवाई सेवा विन्ध्य क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति देगा तथा विकास, व्यापार और पर्यटन के अवसरों को सशक्त बनाएगा। इससे विन्ध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी और इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलोर आदि शहरों के साथ ही विदेशों के लिए भी सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर का ऐलान

चोरी रोकने शुरू करेंगे विद्युत थाने, हमारी कोशिश 2028 तक न बढ़े रेट

भोपाल। मध्यप्रदेश में बिजली व्यवस्था सुधार, बिजली चोरी पर नियंत्रण और किसानों को सस्ती व भरोसेमंद ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए सरकार एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रही है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश में बिजली चोरी रोकने के लिए विशेष पुलिसिंग व्यवस्था विकसित की जा रही है। किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए बड़े पैमाने पर सोलर पंप योजनाओं पर काम तेज किया है। मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना और कुसुम योजनाओं के तहत प्रदेश में सैकड़ों मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता विकसित की जा चुकी है। कुसुम-ए योजना में अब तक 603 अनुबंध, जबकि 957 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। कुसुम-सी योजना में भी 24 परियोजनाएं स्थापित हैं, जिनसे 136 मेगावाट बिजली उत्पादन होगा। बिजली कंपनियों में लंबे समय से भर्ती न होने से उपभोक्ता सेवाओं पर असर पड़ा था। इस स्थिति को सुधारने के लिए 50 हजार से अधिक नियमित पदों पर भर्ती को मंजूरी दी गई है। मंत्री ने कहा कि ये सभी भर्तियां रेगुलर होंगी, जिससे व्यवस्था में स्थायित्व आएगा।

उपभोक्ताओं को 100 रुपए में 100 यूनिट बिजली

ऊर्जा मंत्री ने यह भी दोहराया कि मध्यप्रदेश में आज भी एक करोड़ 37 लाख बिजली उपभोक्ताओं में से 1 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली मात्र 100 रुपए में दी जा रही है। किसानों को दी जाने वाली बिजली पर सरकार भारी सब्सिडी दे रही है एक रुपए की बिजली पर किसान से केवल 7 पैसे लिए जाते हैं। स्मार्ट मीटर को लेकर उठ रहे सवालों पर मंत्री ने कहा कि यह उपभोक्ताओं के हित में है। इससे खपत की निगरानी, सही बिलिंग और सस्ती सौर बिजली का लाभ सीधे उपभोक्ता तक पहुंच रहा है। सुबह 9 से शाम 5 बजे तक सस्ती बिजली का लाभ स्मार्ट मीटर के माध्यम से ही संभव हो पा रहा है।

नियमों की अनदेखी: राज्य सहकारी संघ में बंदरबांट

बिना टेंडर चहेती एजेंसियों को दे डाले गार्ड और श्रमिकों के ठेके

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य के सहकारिता विभाग के अंतर्गत आने वाले राज्य सहकारी संघ पर नियमों को दरकिनार कर मनमाने तरीके से सुरक्षा गार्डों और श्रमिकों की सेवाओं का कार्य लेकर उसे चहेती फर्मों को सौंप रहा है। जानकारी के अनुसार सहकारी संघ द्वारा राज्य शासन के भंडार क्रय नियमों का उल्लंघन करते हुए बिना टेंडर प्रक्रिया अपनाए सीधे कुछ चुनिंदा एजेंसियों को ठेके दिए जा रहे हैं।

नियमों के मुताबिक राज्य सहकारी संघ केवल अपने विभागीय कार्यालयों में ही सीधे सुरक्षा सेवाएं उपलब्ध करा सकता है, लेकिन इसके बावजूद संघ द्वारा अन्य विभागों, कार्यालयों, परिषदों और निगमों में भी सिक्योरिटी एवं मैनपावर के अनुबंध किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार यह प्रक्रिया पारदर्शी टेंडर व्यवस्था के बजाय कुछ खास चहेती फर्मों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से अपनाई जा रही है। राजधानी में ही न केवल सरकारी नियमों की अनदेखी हो रही है, बल्कि प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला उजागर होने के बाद सहकारिता विभाग की भूमिका पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया है। राजधानी भोपाल में खुलेआम हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन और सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव डीपी आहूजा को भी शिकायत की गई हैं।

चहेती फर्म को सीधे लाखों का काम सौंपा

जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित ने अक्टूबर 2024 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद मैपकॉस्ट के साथ अनुबंध किया, जिसमें एक निजी सप्लायर को सीधे लाखों रुपये का कार्य सौंपा गया। इसी प्रकार संघ ने निर्वाचन कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय सहित अन्य शासकीय कार्यालयों में भी सिक्योरिटी सेवाओं का अनुबंध लेकर उसे सीधे अपनी चहेती फर्मों को सौंपने का आरोप है। मैपकॉस्ट में 50 सुरक्षा गार्ड, 25 सफाई कर्मी, श्रमिक 45 तैनात किए गए। इस पर करीब 15 लाख रुपये खर्च किए गए।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में तैनाती

राज्य सहकारी संघ द्वारा मुख्यालय में सुरक्षा गार्ड -26, गनमैन-4, अब्दुल्लागंज केंद्र पर सुरक्षा गार्ड-10, गनमैन -02, गौतमनगर आवासीय परिसर में गार्ड-3, तारामंडल उज्जैन में सुरक्षा गार्ड-7, डोंगला वेधशाला उज्जैन में गार्ड-3, परिषद मुख्यालय में सफाईकर्मी 18, परिषद मुख्यालय में सुपरवाइजर 01 और इसी तरह अलग अलग जगह 09 सफाईकर्मी उपलब्ध कराए गए। वहीं, इस पूरे मामले पर सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं पंजीयक मनोज पुष्प ने कहा कि उन्हें इस संबंध में अभी जानकारी नहीं है।

सहकारिता विभाग में ही काम करने की अनुमति

सूचना के अधिकार के तहत जब सहकारिता विभाग के अलावा अन्य विभागों में मैनपावर और सिक्योरिटी उपलब्ध कराने से संबंधित शासनादेश की प्रति मांगी गई, तो 9 सितंबर 2021 को आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्य प्रदेश द्वारा जारी आदेश उपलब्ध कराया गया। इस आदेश में राज्य सहकारी संघ को सहकारिता विभाग में ही मानव संसाधन सेवा प्रदाता एजेंसी के रूप में कार्य करने की अनुमति का उल्लेख किया गया है।

बजट तैयारी में जुटी सरकार लेगी एक्सपर्ट्स के सुझाव

वित्त मंत्री देवड़ा करेंगे आर्थिक बैंकिंग-औद्योगिक और कृषि चिकित्सा विशेषज्ञों से संवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

डिप्टी सीएम और वित्त व वाणिज्यिक कर विभाग के मंत्री जगदीश देवड़ा आज प्रदेश के आगामी बजट को लेकर एक्सपर्ट्स के सुझाव लेंगे। यह कार्यक्रम बजट पर संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत बैंकिंग, अर्थशास्त्र, वित्त आयोग, उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ-साथ कृषि, उद्यान, चिकित्सा, चार्टर्ड एकाउंटेंसी, फिल्म में सफलता पूर्वक कार्य कर रहे नागरिकों से बजट पर सुझाव के लिए हो रहा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट तैयारी के संबंध में बजट पर संवाद 22 दिसम्बर को सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग कल्याण संचालनालय भोपाल में होगा। बजट पर संवाद में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा कर आगामी बजट को अधिकाधिक जनोपयोगी और प्रभावशाली बनाए जाने के लिए बहुमूल्य सुझाव लेंगे।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा के निर्देशन में वित्त विभाग बजट की तैयारी कर रहा है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों जैसे बैंकिंग, ग्रामीण विकास, जनजाति, आर्थिक एवं वाणिज्यिक, जेंडर बजट, पर्यावरण के विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त करने के लिये बजट पर संवाद किया जा रहा है।

सरकार का फोकस गरीब-किसान पर

राज्य सरकार द्वारा गरीब, किसान, युवा, नारी शक्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह लगातार पांचवां वर्ष है जब बजट पर संवाद आयोजित किया जा रहा है। बजट पर संवाद कार्यक्रम में बैंकिंग, अर्थशास्त्र, वित्त आयोग, उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, उद्यान, चिकित्सा, चार्टर्ड एकाउंटेंसी, फिल्म, में सफलता पूर्वक कार्य कर रहे हितधारकों को भी सुझाव देने के लिये आमंत्रित किया जा रहा है।

आम जन से भी मांगे गए हैं सुझाव

आम जनता से समाचार पत्रों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (https://mp.mygov.in/group-issue/mpbudget/), दूरभाष (0755-2700800), ई-मेल (budget.mp@mp.gov.in) व पत्राचार के माध्यम से उनके सुझाव प्राप्त किए गए हैं। इससे विकास की राह पर निरंतर आगे बढ़ रहे मध्यप्रदेश के आगामी बजट में अपने सुझावों के माध्यम से सहभागिता निभाकर प्रदेश की प्रगति और समृद्धि में आम जनता भी अपना योगदान दे सकेगी।

सांसद-विधायक पर भड़के पूर्व एमएलए शुक्ला ने पूछा

100 करोड़ की रॉयल्टी किसके इशारे पर डकारी गई

सीधी/ भोपाल, दोपहर मेट्रो

सीधी जिले में निर्माणाधीन ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन परियोजना को लेकर एक बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आया है। परियोजना के तहत बीते करीब पांच वर्षों से पटरी बिछाने का कार्य तेज गति से चल रहा है, लेकिन आरोप है कि इस दौरान मिट्टी और मुरुम के बड़े पैमाने पर उपयोग के बावजूद खनिज विभाग को देय रॉयल्टी की राशि जमा नहीं की गई। नियमों के अनुसार किसी भी ठेकेदार को खनिज सामग्री के उपयोग से पहले अनुमति लेना और रॉयल्टी जमा करना अनिवार्य होता है, लेकिन इस मामले में वर्षों तक नियमों की खुलेआम अनदेखी होती रही।

इस पूरे मामले पर सीधी जिला प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। बताया जा रहा है कि लंबे समय तक प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हाल ही में कलेक्टर स्वरोचिस

सोमवंशी और खनिज विभाग के अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला ने जब रेलवे विभाग के अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार से जवाब-तलब किया, तब जाकर ठेकेदार गोपाल सिंह जोधा ने रॉयल्टी के नाम पर मात्र 30 लाख रुपये जमा किए। हालांकि, अब भी करीब 100 करोड़ रुपये की रॉयल्टी के गबन का आरोप लगाया जा रहा है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ

निष्पक्ष कराई जाए जांच

पंडित केदारनाथ शुक्ला ने सीधे सवाल किया कि 100 करोड़ रुपये की रॉयल्टी का गबन आखिर किसके इशारे पर हुआ और अब तक अधिकारियों को कार्रवाई से किसने रोके रखा। उन्होंने मांग की कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, ठेकेदारों और संबंधित जिम्मेदार लोगों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लग सके।

नेता एवं सीधी क्षेत्र से पांच बार विधायक रह चुके पंडित केदारनाथ शुक्ला ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने क्षेत्रीय सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक रीति पाठक पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग सिर्फ निरीक्षण करते रहे और अपनी रोटी सेकते रहे।

महाकाल दर्शन और सिंहस्थ को मिलेगी रफ्तार

दिसंबर 2026 तक तैयार होगी 46 किमी सिक्स लेन सड़क, 1672 करोड़ होंगे खर्च

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ 2028 को देखते हुए उज्जैन-इंदौर रोड की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) 1672 करोड़ रुपये की लागत से छह लेन सड़क का निर्माण कर रहा है। उज्जैन और इंदौर के बीच धार्मिक, व्यावसायिक और पर्यटन गतिविधियों के कारण यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह परियोजना शुरू की गई है।

सिंहस्थ से पहले सड़क निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि

आयोजन के दौरान बढ़ने वाले भारी ट्रैफिक को सुचारु रूप से नियंत्रित किया जा सके। वर्तमान में मौजूद चार लेन सड़क के दोनों ओर एक-एक अतिरिक्त लेन जोड़ी जा रही है और मार्ग में आ रही बाधाओं को हटाया जा रहा है। अरबिंदो अस्पताल (इंदौर) से हरिफाटक (उज्जैन) तक लगभग 46 किलोमीटर लंबी इस सिक्स लेन सड़क का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन परियोजना का शिलान्यास राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उज्जैन और इंदौर के बीच यातायात का दबाव बीते वर्षों में काफी बढ़ गया है। सिंहस्थ 2028 के पहले मार्ग का चौड़ीकरण बेहद जरूरी माना जा रहा था। छह लेन सड़क बनने से जहां यातायात सुगम होगा।

मुरैना में खाद संकट के बीच चंबल नदी से यूरिया की तस्करी, वीडियो वायरल होते ही प्रशासन में हड़कंप

मुरैना। मुरैना जिले में खाद का संकट चरम पर पहुंच गया है। किसान यूरिया पाने के लिए घंटों कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं। कई स्थानों पर हालात इतने बिगड़ गए कि भूखे-प्यासे किसानों को पुलिस की लाठियां तक झेलनी पड़ीं, फिर भी उन्हें खाद नहीं मिल सकी। दूसरी ओर खाद तस्कर बेखौफ होकर यूरिया की कालाबाजारी कर रहे हैं और चंबल नदी के रास्ते इसे उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा है। प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी थी, लेकिन अब तस्करी का एक वीडियो सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। यह तस्करी अंबाह तहसील के उसैद घाट से स्टीमर के जरिए की जा रही है। तस्कर चंबल नदी पार कर यूरिया को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले तक पहुंचा रहे हैं। नदी के उस पार आगरा जिले का पिनहाट घाट है। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि मध्य प्रदेश का यूरिया स्टीमर में लोड कर पिनहाट घाट पर अनलोड किया जा रहा है। एक तरफ किसान खाद के लिए आपस में संघर्ष कर रहे हैं और पुलिस की मार झेल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर माफिया आसानी से यूरिया को प्रदेश के बाहर खपा रहा है। जो खाद किसानों तक पहुंचनी चाहिए थी, वह तस्करों के हाथों में जा रही है।

मेट्रो एंकर

मंदसौर के किसान ने सुधारी मिट्टी की सेहत

फल विक्रेताओं से सड़े-गले सेब लेकर बनाया बायो एंजाइम

1 हजार बांस लगाकर एग्रो फोरेस्ट्री को भी धरातल पर उतारा

मंदसौर, दोपहर मेट्रो

मंदसौर की मल्हारगढ़ तहसील के हरसौल गांव के प्रगतिशील किसान खुमान सिंह चुंडावत ने खेती को केवल रोजगार नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना बना दिया है। साल 2017 से वे लगभग दस बीघा भूमि पर स्वयं खेती कर रहे हैं। शुरुआत मिट्टी परीक्षण से की और धीरे-धीरे रासायनिक खाद छोड़कर जैविक तकनीकों की ओर बढ़े।

उनका कहना है कि जैविक उपाय बढ़ाने पर खरपतवार की समस्या भी कम हुई। वे मुख्य रूप से जीवामृत और बायो एंजाइम का इस्तेमाल करते हैं। जीवामृत को गोमूत्र, गुड़, अनाज और तिलहन

मिलाकर तैयार करते हैं और सिंचाई के साथ दो लीटर प्रति क्यारी के हिसाब से उपयोग करते हैं।

एंजाइम से फसल की गुणवत्ता और उपज बढ़ी- किसान ने बताया कि मुझे सबसे प्रभावशाली सेब से बना बायो एंजाइम लगा। इसके लिए मैंने फल विक्रेताओं से सड़े-गले सेब लेकर गुड़ या मिश्री के साथ 40-50 लीटर के बर्तन में लगभग 90 दिन तक किण्वित किया। इस एंजाइम से फसल की गुणवत्ता और उपज दोनों बढ़ी हैं। चुंडावत का कहना है कि जैविक खेती करने वाले किसानों को हार्वेस्टर से गेहूं कटाई नहीं करानी चाहिए, क्योंकि इससे गेहूं में घुन लगने की आशंका अधिक रहती है। मजदूरों द्वारा कटाई और थ्रेशर से दाना निकलवाना बेहतर रहता है।

ऐसे प्राकृतिक खेती की तरफ हुआ रुझान

चुंडावत बताते हैं कि मुझे गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर का संदेश मिला कि खेती योग्य भूमि वाले व्यक्ति को खेती से जुड़ा रहना चाहिए, वह भी जैविक खेती से। यहीं से उनका रुझान पूरी तरह प्राकृतिक खेती की ओर मुड़ गया। चुंडावत एग्रो फॉरेस्ट्री को भी खेती का भविष्य मानते हैं। वे बताते हैं कि फसलों के साथ पेड़ों का संतुलित संयोजन न सिर्फ मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाता है, बल्कि खेत का तापमान नियंत्रित कर प्राकृतिक नमी भी बनाए रखता है। चुंडावत ने अपने खेत में लगभग 1000 बांस और 185 आंवला के पौधे लगाए हैं। इन पेड़ों से उन्हें अतिरिक्त आय के साथ दीमक नियंत्रण, बेहतर कार्बन अवशोषण और भूमि संरक्षण जैसे फायदे मिल रहे हैं। उनका कहना है कि एग्रो फॉरेस्ट्री जैविक खेती का मजबूत आधार है और किसानों को लंबे समय में स्थिर आय और स्वस्थ मिट्टी दोनों देती है। चुंडावत वन विभाग में अधिकारी थे, अब सेवानिवृत है।

वे मानते हैं कि जैविक खेती में उत्पादन अपेक्षाकृत कम होता है, लेकिन दाम अच्छे मिल जाते हैं। इसलिए सरकार को बिक्री, प्रसंस्करण और बेहतर मूल्य के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उनका कहना है कि जैविक खेती केवल उत्पादन नहीं, बल्कि धरती, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के प्रति कर्तव्य है।

समाधान अब जरूरी है

दिल्ली की हवा एक बार फिर सुर्खियों में है। जहरीले स्मॉग ने जनजीवन को इस कदर जकड़ लिया है कि सांस लेना तक चुनौती बन गया है। सड़कों से लेकर अस्पतालों तक, हर जगह इसका असर साफ दिख रहा है। ऐसे में प्रदूषण को लेकर मचा हंगामा स्वाभाविक है, क्योंकि यह मुद्दा किसी नीति या आंकड़े से ज्यादा आम आदमी की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि दिल्ली की हवा कितनी खराब है, बल्कि यह भी है कि क्या यह संकट केवल राजधानी तक सीमित है? आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली की स्थिति वाकई चिंताजनक है, लेकिन उससे सटे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहर भी लगभग उसी जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम और भिवाड़ी- ये सभी शहर दिल्ली से 80 किलोमीटर के दायरे में हैं और इनकी हवा की गुणवत्ता भी बेहद खराब स्तर पर पहुंच चुकी है। साफ है कि प्रदूषण किसी एक शहर की सीमा नहीं मानता, बल्कि पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लेता है। यह समस्या यहीं खत्म नहीं होती। देश के कई अन्य बड़े शहरों में भी समय-समय पर वायु प्रदूषण को लेकर चेतावनी दी जाती रही है। उत्तर भारत के शहर हों या फिर पश्चिम और दक्षिण भारत के महानगर- हर जगह हालात धीरे-धीरे बिगड़ रहे हैं। फिलहाल स्थिति इतनी भयावह नहीं है कि सायरन बजने लगें, लेकिन अगर अब भी आंखें मूंदे रखी गईं, तो ये शहर भी कल दिल्ली की राह पर होंगे। हैरानी की बात यह है कि यह संकट अचानक पैदा नहीं हुआ। सालों पहले इसके संकेत मिल चुके थे। अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण रिपोर्टों में भारत के शहरों को दुनिया के सबसे प्रदूषित इलाकों में गिना गया था। उस वक्त यदि सरकारें और प्रशासन गंभीरता दिखाते, तो आज हालात इतने बेकाबू न होते। कागजों पर योजनाएं जरूर बनीं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनके असर सवालों के घेरे में हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि प्रदूषित हवा सिर्फ खांसी या सांस की तकलीफ तक सीमित नहीं है। यह फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती है, कैंसर का खतरा बढ़ाती है और दिल की बीमारियों व मधुमेह जैसी समस्याओं को और गंभीर बना देती है। हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण वायु प्रदूषण बनता है- यह आंकड़ा किसी भी नीति-निमार्ता को झकझोरने के लिए काफी है। दिल्ली में हालात बिगड़ते ही सरकार ने आपात कदम उठाए हैं- निर्माण कार्यों पर रोक, पुराने वाहनों पर पाबंदी और घर से काम की व्यवस्था। लेकिन ये उपाय तात्कालिक हैं। सवाल यह है कि कब तक काम रोका जाएगा और उन मजदूरों का क्या होगा जिनकी रोजी-रोटी इसी पर निर्भर है?

पश्चिमी देश मीडिया की आज़ादी के लिए अपना आइना देखें

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में अब भी अमेरिका और ब्रिटेन के लोकतंत्र और प्रेस की आज़ादी को महान समझने की ग़लतफ़हमी रखने वाले कुछ संगठन और नेता हैं। खासकर पश्चिमी देशों से भारी फंडिंग पाने वाली संस्थाएं या विदेशी जमीन पर भारत की बुराई करके तालियां बजवाने वाले राहुल गांधी जैसे नेता, कथित एक्टिविस्ट किस्म के पत्रकार ,लेखक विदेशी मीडिया की रिपोर्ट्स दिखाकर भारतीयों को भ्रमित करने की कोशिश करते हैं। जबकि भारत में जितने अखबार, पत्रिकाएं, टीवी न्यूज़ चैनल और वेबसाइट्स हैं , उतनी दुनिया के किसी देश में नहीं हैं। सारे दबाव , विरोध के बावजूद सैकड़ों पत्रकार, लेखक अंग्रेजी से अधिक हिंदी और भारतीय भाषाओं में लिख बोलकर सत्ता व्यवस्था या अन्य सामाजिक आर्थिक कमियों को उजागर कर रहे हैं। साल की समीक्षा करने वाले पश्चिमी देशों के साथ भारत में उनके पिछलग्गू लोगों को पश्चिम का आइना भी देखना चाहिए। तब समझ में आएगा कि उन्हें भारत को सबक सिखाने की जरुरत नहीं है। वे अपनी दुर्दशा सुधारने का प्रयास करें।

रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स की प्रेस स्वतंत्रता की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका 180 देशों में 57वें स्थान पर है, और प्रेस की स्वतंत्रता पिछले वर्षों की तुलना में कमज़ोर हुई है। मुख्य कारणों में आर्थिक दबाव, समाचार संस्थानों की वित्तीय अनिश्चितता, पत्रकारों के खिलाफ प्रतिकूल माहौल शामिल हैं। मीडिया हाउस आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे हैं, जिससे विरोधी आवाज़ों को दबाया जा रहा है। अमेरिकी मीडिया को राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है, खासकर जब राजनीति से जुड़े समूह और नेता मीडिया की आलोचना करते हैं।प्रेस स्वतंत्रता पर चिंता की एक वजह यह भी है कि मीडिया को समय-समय पर आर्थिक सहायता और संसाधन कटौती का सामना करना पड़ रहा है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, आम अमेरिकियों में प्रेस स्वतंत्रता को लेकर चिंता बनी हुई है। कई लोग मानते हैं कि समाचार स्वतंत्र रूप से रिपोर्ट नहीं हो पा रहा। ब्रिटेन की रायटर्स की रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी पेंटागन (सेना विभाग) ने मीडिया को कहा कि वे संवेदीन सूचनाओं को प्रकाशित करने से पहले अनुमति प्राप्त करें, जिससे पत्रकारों के सामने सूचना स्वीकार्यता और रिपोर्टिंग स्वतंत्रता पर सवाल खड़े हुए हैं। अमेरिका में मीडिया पर राजनीतिक और सामाजिक समूहों से आलोचना और दबाव बढ़ा है तथा कुछ समूह मीडिया को निष्पक्ष नहीं मानते।

रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स ने चेतावनी दी है कि प्रेस स्वतंत्रता इतिहास के सबसे निचले स्तर पर है, और अमेरिका समेत कई लोकतांत्रिक देशों में इस स्थिति का असर देखा जा रहा है। ब्रिटेन में (प्रधानमंत्री कार्यालय) ने प्रेस लाबी सिस्टम में बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें परंपरागत दैनिक लंचब्रिफ़िंग (जहाँ पत्रकार सवाल पूछते हैं) अब हटाई जा रही है या सीमित की जा रही है। पत्रकारों ने इसका विरोध किया है और कहा है कि इससे सरकारी जवाबदेही और पारदर्शिता कम होगी। भारत में एक वर्ग द्वारा ' आदर्श ' बताई जाने वाले संस्थान बी बी सी के लिए 2025 में एक बड़ा विवाद हुआ, जहाँ यह आरोप लगा कि कुछ रिपोर्टिंग, खासकर राजनीतिक मुद्दों पर, राजनीतिक झुकाव प्रदर्शित कर रही थी। इसके बाद बी बी सी के वरिष्ठ नेतृत्व में इस्तीफे भी हुए और यह विवाद प्रेस स्वतंत्रता व न्यूज़ मीडिया के संपादकीय स्वतंत्रता पर बड़ा विषय बना। ब्रिटेन में प्रेस को लेकर सरकार और मीडिया के

बीच बातचीत और संघर्ष जारी है, खासकर जब सरकारी संदेश और अफ़वाहों/भेदभाव मुद्दों को रिपोर्ट करना होता है। विश्व स्तर पर प्रेस स्वतंत्रता सबसे अधिक दबाव में है।आर्थिक संकट, राजनीतिक दबाव, मीडिया मालिकाना संरचना इत्यादि ने पत्रकारिता को चुनौती दी है।दुनिया के लगभग आधे देशों में प्रेस स्वतंत्रता गंभीर रूप से कमजोर है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दुनिया भर में करीब 10% गिरी है, और सरकारी/तकनीकी नियंत्रण में वृद्धि हुई है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर नियंत्रण भी एक बड़ा मुद्दा बन रहा है।

अमेरिकी राजनीति में मीडिया और सत्ता के बीच तनाव कोई नया विषय नहीं है, लेकिन 2025 में यह टकराव एक बार फिर तेज़ और आक्रामक रूप में सामने आया। डोनाल्ड ट्रम्प—चाहे चुनावी राजनीति में हों, अदालतों से जूझ रहे हों या अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे हों—ने अमेरिकी मीडिया, विशेषकर , सी एन एन को लगातार निशाने पर रखा। यह टकराव केवल आलोचना तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें अपमानजनक भाषा, मीडिया की विश्वसनीयता पर सीधा हमला और पत्रकारों को 'दुश्मन' के रूप में पेश करने की प्रवृत्ति स्पष्ट दिखी। डोनाल्ड ट्रम्प का मीडिया से टकराव उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल (2017-2021) से ही चर्चा में रहा है। उस समय उन्होंने कई बार मीडिया को 'फेक न्यूज़' और 'जनता का दुश्मन' कहा।

2025 में यह रवैया और तीखा हो गया, क्योंकिअमेरिका गहरे राजनीतिक ध्रुवीकरण से गुजर रहा है चुनावी राजनीति फिर से केंद्र में है ट्रम्प खुद को सर्वोच्च नेता के रूप में पेश कर रहे हैं। इस माहौल में मीडिया, खासकर सी एन एन जैसे राष्ट्रीय नेटवर्क, ट्रम्प की रणनीति में प्रतिद्वंद्वी बन गए। सी एन एन को ट्रम्प बार-बार इसलिए निशाना बनाते रहे क्योंकि राष्ट्रीय और वैश्विक प्रभाव -सी एन एन अमेरिका ही नहीं, दुनिया भर में देखा जाता है । उसकी जांचपरक रिपोर्टिंग - ट्रम्प की नीतियों, बयानों और कानूनी मामलों पर सवाल उठाती है। जबकि ट्रम्प लॉबी सी एन एन को झूठ फैलाने वाला नेटवर्क , अमेरिका-विरोधी एजेंडा चलाने वाला मीडिया , जनता को गुमराह करने वाला संस्थान जैसे आरोपों से घेरती है। ट्रम्प की भाषा केवल आलोचनात्मक नहीं बल्कि वह व्यक्तिगत, तंजपूर्ण और अपमानजनक रही।कठोर और आक्रामक भाषा ट्रम्प के समर्थकों को यह संदेश देती है कि: 'हम बनाम वे' की लड़ाई हैमीडिया अभिजात वर्ग का हिस्सा है ट्रम्प अकेले 'सच' बोल रहे हैं। ट्रम्प और राहुल गांधी जैसे नेता द्वारा जब बार-बार मीडिया को झूठा कहा जाता है, तो जनता का भरोसा कमजोर होता है तथ्य और राय के बीच अंतर धुंधला होता है। असहज सवालों से ध्यान हटाना कानूनी मामलों, नीतिगत आलोचनाओं और राजनीतिक विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए मीडिया पर हमला एक प्रभावी हथियार बनता है। 2025 में ट्रम्प लॉबी ने केवल सी एन एन ही नहीं, बल्कि 'मुख्यधारा मीडिया 'पत्रकारों को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया। भीड़ के सामने उकसाने वाली भाषा का प्रयोग किया। इन हमलों का असर केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहा; कई बार पत्रकारों को सार्वजनिक कार्यक्रमों में शत्रुतापूर्ण माहौल का सामना करना पड़ा। अमेरिकी संविधान का पहला संशोधन प्रेस की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। इसलिए 2025 में सवाल उठा है कि क्या शक्तिशाली राजनीतिक नेताओं द्वारा मीडिया पर लगातार हमले इस स्वतंत्रता को कमजोर कर रहे हैं? क्या आलोचना और धमकी के बीच की रेखा धुंधली हो रही है? इसमें कोई शक नहीं है कि ट्रम्प की भाषा मीडिया संस्थानों पर आर्थिक और सामाजिक दबाव बढ़ा सकती है। तभी तो हमारा कहना है कि हम अपनी आज़ादी और अधिकारों के लिए अपनी आचार संहिता बनाएं , पुराने ब्रिटिश राज के नियम या उनके द्वारा अब हमारे लिए बताए जा रहे रास्तों के बजाय भारतीय नियम परम्परा से कानूनों को तैयार करें और उनका पालन करें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

पर्यावरण संकट: नीतियों से नहीं नागरिक चेतना से बचेगी प्रकृति

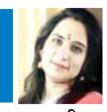

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

सरकारों की विफलता के साथ-साथ हमारी जीवन-शैली भी पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी ज़िम्मेदार है। पेड़ लगाने की बात आए तो उत्साह केवल सरकारी अभियानों और फोटो अवसरों तक सीमित रह जाता है। वृक्षारोपण दिवस पर पौधे लगाए जाते हैं और अगले दिन भुला दिए जाते हैं। संरक्षण की जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। यही कारण है कि आँकड़ों में लाखों पौधे लगते हैं, पर धरातल पर जंगल घटते जाते हैं। एक पुरानी कहावत है—मनुष्य जीवन भर नौ मन लकड़ी लेकर जाता है, तो कम से कम अपने पीछे नौ मन पेड़ छोड़ जाना चाहिए। यह कहावत आज के समय में कहीं अधिक प्रासंगिक है। हम अपने जीवन में जितने संसाधन उपभोग करते हैं, क्या उनके बराबर कुछ लौटाने का प्रयास करते हैं?

पर्यावरण संरक्षण की बहस अक्सर एक सुविधाजनक दिशा में मोड़ दी जाती है—सरकारें नीतियाँ नहीं बनातीं, मंत्रालय निष्क्रिय हैं, क़ानून काग़ज़ों तक सीमित हैं। यह आलोचना पूरी तरह ग़लत नहीं है। केंद्रीय और राज्य स्तर पर पर्यावरण मंत्रालयों का रिकॉर्ड देखें तो विकास परियोजनाओं के सामने प्रकृति अक्सर सबसे पहले बलि चढ़ती दिखती है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, ज़हरीली हवा और भूजल का संकट—इन सबके लिए नीतिगत विफलता ज़िम्मेदार है। पर यह अधूरा सच है। पूरा सच यह है कि पर्यावरण संकट की जड़ें हमारी अपनी जीवन-शैली में गहरी धँसी हुई हैं।

हमने पर्यावरण को सरकार का विषय मान लिया है, जैसे वह नागरिक जीवन से अलग कोई विभागीय फाइल हो। यह मानसिकता ही सबसे बड़ा संकट है। हवा, पानी, मिट्टी और जंगल किसी मंत्रालय की संपत्ति नहीं, बल्कि सामूहिक उत्तरदायित्व हैं। जब नागरिक स्वयं को इस उत्तरदायित्व से अलग कर लेता है, तब कोई भी नीति प्रभावी नहीं रह जाती। आज प्रदूषण का बड़ा हिस्सा किसी कारख़ाने से नहीं, बल्कि रोज़मर्रा के घरेलू व्यवहार से पैदा हो रहा है—अत्यधिक निजी वाहन, बेहिसाब प्लास्टिक, अनियंत्रित कचरा, पानी और बिजली की फिजूलखर्ची। हम सुविधाओं को अधिकार मानते हैं और उनके दुष्परिणामों को व्यवस्था की समस्या। यही सोच पर्यावरण को धीरे-धीरे बर्बादी की ओर धकेल रही है। भारत जैसे विकासशील देश में पर्यावरण संरक्षण को अक्सर विकास विरोधी बताकर खारिज कर दिया जाता है। यह एक कृत्रिम और भ्रामक बहस है। सच्चाई यह है कि प्रकृति का विनाश स्वयं विकास के ख़िलाफ़ है। बाढ़, सूखा, गर्मी की चरम लहरें, जल संकट और बीमारियाँ—ये सब उसी 'विकास' की देन हैं, जो प्रकृति के संतुलन को नज़रअंदाज़ करता है।

लेकिन इस बहस में भी नागरिक की भूमिका गौण बना दी जाती है। हम यह नहीं पूछते कि हमारे विकास के मॉडल में हमारी व्यक्तिगत आदतें कितनी ज़िम्मेदार हैं। क्या हर छोटी दूरी के लिए कार निकालना ज़रूरी है? क्या हर शादी, समारोह और त्योहार में अनावश्यक दिखावा आवश्यक है? क्या एकल-उपयोग प्लास्टिक के बिना जीवन असंभव है? इन सवालों से हम बचते हैं, क्योंकि इनके जवाब हमें असहज करते हैं।

स्वच्छ भारत अभियान इसका उदाहरण है। जहाँ नागरिकों ने भागीदारी दिखाई, वहाँ परिणाम दिखे। जहाँ इसे केवल सरकारी योजना समझा गया, वहाँ स्थिति जस की तस रही। पर्यावरण संरक्षण भी इसी सिद्धांत पर काम करेगा। पर्यावरण संकट का समाधान किसी एक बड़े निर्णय में नहीं, बल्कि लाखों छोटे नागरिक निर्णयों में छिपा है। घर-घर कचरा पृथक्करण, वर्षा जल संचयन, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, ऊर्जा-सक्षम उपकरण, स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण—ये सभी कदम साधारण हैं, पर प्रभावशाली हैं। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर व्यवहार में उतारना होगा। बच्चों को प्रकृति से जोड़ना होगा, ताकि वे केवल जानकारी नहीं, संवेदना भी विकसित करें। मीडिया और सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है। पर्यावरण को केवल आपदा या दिवस के रूप में नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की चिंता के रूप में प्रस्तुत करना होगा। अंततः पर्यावरण संकट का सबसे ईमानदार उत्तर हमें स्वयं से पूछना होगा—हम प्रकृति को क्या दे रहे हैं? जब तक यह प्रश्न हर नागरिक के मन में नहीं उठेगा, तब तक नीतियाँ आती-जाती रहेंगी और प्रकृति चुपचाप नष्ट होती रहेगी।

प्रकृति किसी मंत्रालय की जिम्मेदारी नहीं, यह हमारे सामूहिक चरित्र की परीक्षा है। और इस परीक्षा में अब तक हम असफल ही रहे हैं। अब भी समय है—यदि हम सच में विकास चाहते हैं, तो उसे प्रकृति के साथ सामंजस्य में गढ़ना होगा, वरना आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी माफ़ नहीं करेंगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

'जो कोई भी अपने जीवन में एक बच्चे की मदद करने के लिए कुछ भी करता है वह मेरे लिए एक नायक है।'

- फ्रेड रोजर्स

निशाना

कुछ थे शगूफे और..!

कान्ति शुक्ला

जब तक रहे थे पेड़ पे पत्ते बहार के।
जेवर सरीखे लग रहे थे शाख़सार के।
कुछ थे शगूफे और थे कुछ गुल खिले हुए
आँधी चली ऐसी, हुए हैं रहगुज़ार के ।
है ज़िंदगी तो मुख्तसर रंजो-अलम बहुत
कम ही मिला करते यहाँ पे दिन क़रार के।
जिनकी चहक से रात दिन रौनक रही कभी
सुनसान करके घर गए कुछ दिन गुज़ार के।
आँखें कभी भीगीं नहीं जिनकी कहीं अगर
वो लोग कैसे हो सकेंगे ऐतबार के ।
दौरे-हयात में लगा हर आदमी गिरां
चलते रहे तूफान में कश्ती उतार के।
अय्याम हैं जो आखिरी बेज़ार ही करें
देकर गए हैं जख़्म जो रिश्ते थे प्यार के।

हेल्थ अपडेट

सर्दियों में जोड़ों की समस्या, शरीर को गर्म रखना जरूरी

डॉ. सुनील पाण्डेय, एमपीटी
फिजियोथैरेपिस्ट, स्पाइन एक्सपर्ट

जैसे ही सर्दियों की ठंडी हवाएं अपना रंग दिखाना शुरू करती हैं, सबसे पहले असर आपके जोड़ों पर महसूस होने लगता है। शुरुआत में हल्की सी जकड़न होती है, लेकिन धीरे-धीरे घुटने, कमर, कंधे और पुराने चोट वाले हिस्से ऐसे दर्द देने लगते हैं जैसे मानो सालों पुरानी यादें फिर से ताजा हो गई हों। कई लोग इसे उम्र या कमजोरी का नाम देते हैं, लेकिन असल वजह इससे भी ज्यादा दिलचस्प है ठंड बढ़ते ही शरीर की नसें सिकुड़ जाती हैं और ब्लड फ्लो धीमा हो जाता है। जब खून सही तरह से नहीं पहुंच पाता, तो जोड़ों की नरमी कम हो जाती है और वे कठोर महसूस होने लगते हैं।

जैसे-जैसे तापमान गिरता है, मसल्स टाइट होने लगती हैं, जिससे हल्की-सी खिंचाव वाली तकलीफ भी बढ़ सकती है। कई लोगों को ऐसा लगता है जैसे पूरा शरीर धीरे-धीरे जम रहा हो चलने-फिरने तक में मन नहीं करता। पुराने फ्रैक्चर या चोट वाले हिस्से तो मानो सर्दी का इंतजार ही कर रहे हों, ठंड पड़ते ही उनमें भयंकर दर्द होने लगता है, जिस पर से ध्यान हटाना बहुत मुश्किल होता है। यही कारण है कि सर्दियों का मौसम कई लोगों के लिए आराम से ज्यादा परेशानी लेकर आता है। अगर आप भी उन लोगों में से एक हैं तो आज हम आपको कुछ आसान और काम की सेल्फ-केयर टिप्स बताने वाले हैं, जो सर्दियों में आपको फिट, एक्टिव और दर्द से राहत दिलाने में मदद करेंगी।

शरीर को गर्म रखें- ठंड में शरीर को गर्म रखना सबसे जरूरी है, क्योंकि जैसे ही तापमान गिरता है, जोड़ों की स्टीफनेस बढ़ जाती है। हमेशा लेयर वाले कपड़े पहनें ताकि शरीर का तापमान बना रहे। घर में बैठते समय रजाई, कंबल या हीटिंग पैड का इस्तेमाल करें, ये जोड़ों की जकड़न को कम करते हैं। मोजे, टोपी और ग्लव्स जैसी छोटी चीजें भी शरीर की गर्मी को बनाए रखने में मदद करती हैं। कोशिश करें कि घर के कमरे भी बहुत ठंडे न हों, क्योंकि ठंडी हवा जोड़ों के दर्द को और बढ़ा सकती है।

हल्की एक्सरसाइज करें- सर्दियों में बहुत लोग आलस की वजह से कम चलने-फिरने लगते हैं, और यही दर्द को और बढ़ाता है। - शरीर को चलाते रहने से ब्लड फ्लो बेहतर होता है और जोड़ों की स्टिफनेस कम होती है। - सुबह की हल्की स्ट्रेचिंग, या दिन में थोड़ी तेज चाल से चलना जोड़ों के लिए बहुत फायदेमंद है। - एक्सरसाइज करते समय हमेशा हल्का-सा वार्म-अप करें, नहीं तो ठंडे जोड़ों पर अचानक दबाव पड़ सकता है। - ध्यान रखें कि एक जगह लंबे समय तक बैठे रहना भी दर्द बढ़ाता है, इसलिए बीच-बीच में उठकर थोड़ा टहलते रहें।

खान पान सही रखें- ठंड के मौसम में ऐसी चीजें खाना जरूरी है जो हड्डियों और जोड़ों को मजबूती दें। कैल्शियम, विटामिन डी और ओमेगा-3 से भरपूर चीजें जैसे दूध-दही, हरी सब्जियां, अंडे, मछली, ड्राई फ्रूट्स और सीड्स खाने की कोशिश करें। सर्दियों में धूप कम मिलती है, इसलिए शरीर में विटामिन डी की कमी हो सकती है, जो जोड़ दर्द की एक बड़ी वजह है। -अगर संभव हो तो हल्की धूप में थोड़ी देर बैठें, वरना डॉक्टर की सलाह से विटामिन डी सप्लिमेंट्स ले सकते हैं। - पानी भी कम नहीं करना चाहिए, क्योंकि शरीर में पानी की कमी से जोड़ों की ल्यूब्रिकेसन कम हो जाती है और दर्द बढ़ सकता है।

सिकाई करें- अगर जोड़ों में ठंड की वजह से ज्यादा जकड़ रहे हों या दर्द कर रहे हों, तो गर्म सेक बहुत फायदेमंद होता है। - हल्की गर्म पानी की बोतल या हीटिंग पैड लगाने से मसल्स को राहत मिलती है और ब्लड फ्लो बेहतर होता है। - गर्म पानी से नहाना भी जकड़े हुए जोड़ों को ढीला करता है और दर्द कम करता है।

सही तरीके से बैठें- सर्दियों में लोग आम तौर पर सिकुड़कर या झुककर बैठने लगते हैं, जिससे कमर और गर्दन पर दबाव बढ़ जाता है। गलत तरीके से बैठने से रीढ़ की हड्डी पर ज्यादा तनाव पड़ता है और जोड़ दर्द बढ़ सकता है। हमेशा सीधी कमर के साथ बैठें और पीठ को अच्छा सपोर्ट दें।

पुरानी चोटों का ध्यान रखें- जिन लोगों को पहले फ्रैक्चर, लिगामेंट की चोट या ऑपरेशन हुआ हो, उनके लिए सर्दी थोड़ा मुश्किल हो सकती है। ठंड से पुराने चोट वाले हिस्सों में खिंचाव बढ़ जाता है, जिससे दर्द भी बढ़ सकता है। ऐसे में उन जगहों को गर्म रखना और हल्की फिजियोथैरेपी या स्ट्रेचिंग करते रहना बहुत जरूरी है। इससे मसल्स एक्टिव रहती हैं और स्टिफनेस कम होती है।

सुबह हल्के मूवमेंट करें- सर्दियों की सुबह अक्सर सबसे ज्यादा जकड़न लेकर आती है। इसलिए उठते ही हल्की स्ट्रेचिंग करना, थोड़ा टहलना या गर्म पानी से नहाना जोड़ों को जल्दी ढीला करता है इससे पूरे दिन शरीर हल्का और एक्टिव महसूस होता है।

यूजर्स गाइड

पासपोर्ट में एड्रेस बदलने के लिए फोन से करें ऑनलाइन अप्लाई, एक बार जाना होगा ऑफिस

क्या आपके पासपोर्ट पर पुराना पता दर्ज है। बता दें कि यह चीज आपके कई काम अटका सकती है। दरअसल पासपोर्ट एक अहम पहचान पत्र भी है और ऐसे में इमिग्रेशन या वीजा अप्लाई करने में आपको परेशानी हो सकती है। हालांकि पासपोर्ट पर पता अपडेट कराना कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए आप घर बैठे स्मार्टफोन से ही ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। अगर आपने हाल ही में अपने घर का पता बदला है, तो जरूरी है कि आप उसे अपने पासपोर्ट पर भी अपडेट कराएं। **पता बदलने पर बनता है नया पासपोर्ट:** अगर कोई भी शख्स अपना पता बदलता है, तो इसे व्यक्तिगत विवरण यानी कि पर्सनल डिटेल्स में हुआ बदलाव माना जाता है।

पासपोर्ट में पता बदलने के लिए सबसे पहले आपको: Passport Seva वेबसाइट पर जाना होगा और अपने अकाउंट में लॉग-इन करें।इसके बाद Passport Re-issue को चुनें और कारण में Change of Personal Particulars को चुनें। इसके बाद अपना नया पता ध्यान से भरें। आवेदन भरने के बाद निर्धारित फीस जमा करें और अपने नजदीकी पासपोर्ट सेवा केंद्र में अपॉइंटमेंट बुक करें। पता बदलवाने के लिए आपको नए पते का वैध प्रमाण देना होगा।

इन्वेंशन

बिजली बनाने का अनोखा तरीका, सफल हुआ तो जीरो होगा बिल

वैज्ञानिकों ने बिजली बनाने का एक खास तरीका खोज लिया है, यदि यह काम कर गया तो बिजली बिल जीरो हो सकता है, क्योंकि इससे प्रोडक्शन कॉस्ट भी न के बराबर होगी। आपको जानकर हैरानी होगी कि पृथ्वी के घूमने से बिजली जनरेट की जाएगी। अमेरिका के वैज्ञानिकों ने एक छोटी-सी मशीन बनाई है, जो अलग तरीके से बिजली बनाती है। यह मशीन पृथ्वी के अपने मेग्नेटिक फील्ड में घूमने से सीधे बिजली पैदा करती है। यह प्रयोग न्यू जर्सी में प्रिंसटन यूनिवर्सिटी की लीडरशिप में हुआ है। इसमें नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के वैज्ञानिक भी शामिल थे। इस छोटी मशीन ने सिर्फ कुछ माइक्रोवोल्ट बिजली बनाई, लेकिन यह दिखाता है कि भविष्य में पृथ्वी की घूमने की स्पीड और मेग्नेटिक फील्ड से हमेशा चलने वाली मुफ्त बिजली मिल सकती है, बशर्ते अगर इसे बड़ा बनाया जाए।

कैसे बनेगी बिजली?: फिजिकल रिव्यू रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर क्रिस्टोफर एफ. चिबा ने इस काम की अगुवाई की। पृथ्वी के अंदर गर्म मेटल की हलचल से एक बड़ा मेग्नेटिक फील्ड बनता है, जो पूरे ग्रह को घेरे रहता है। पृथ्वी जब घूमती है, तो यह क्षेत्र अंतरिक्ष में स्थिर रहता है। इस वजह से पृथ्वी पर मौजूद कोई भी चीज इस मेग्नेटिक फील्ड से गुजरती रहती है। आमतौर पर इससे बिजली बन सकती है, लेकिन इलेक्ट्रॉन जल्दी ही अपनी जगह बदलकर इस प्रभाव को खत्म कर देते हैं।

न्यूज विंडो

विश्व ध्यान दिवस पर नगर में निकाली विशाल रैली

गंजबासौदा। विश्व ध्यान दिवस मौके पर एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। हार्ट फुलनेश ध्यान केंद्र के प्रशिक्षक व एसडीओपी शिखा भलावी एवं स्वदेश शर्मा के कुशल नेतृत्व में रैली आयोजित की गई। रैली देहात थाने से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्ग से होती हुई, सिरोंज चौराहा, गांधी चौक, सदर बाजार, सावरकर चौक, हनुमान चौक, अंबेडकर चौक नेहरू चौक होती हुई शहर थाने में समापन हुई। रैली में नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव सहित महिला मंडल की महिलाएं, नगर के गणमान्य नागरिक, स्कूली बच्चें, शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारी शिक्षक सहित बड़ी संख्या में पत्रकार बंधुओं ने भी सहभागिता कर ध्यान दिवस पर कार्यक्रम सहयोग प्रदान किया। रैली में मुख्य रूप से एसडीओ शिखा भलावी, शहर थाना प्रभारी संजय वेदिया और देहात थाना प्रभारी मनोज दुबे भी रैली में शामिल हुए।

समाधि स्थल पर राम भक्ति में डूबे श्रद्धालु, लिया माताजी का आशीर्वाद

नर्मदापुरम। बांद्राभान के उत्तरी तट पर बसे पावन बाईराम आश्रम में रविवार को राम भक्ति का अनुपम दरबार सजा। पूज्य रुद्र ब्रह्मचारी तपस्वी माँ जोगेश्वरी (बाईराम) की 22वीं पुण्य स्मृति और पूज्य माताजी कमला बाई की 7वीं पुण्य सहस्मृति पर अखंड रामायण किया गया। जहां हजारों श्रद्धालु समाधि स्थल पर जुटकर भक्ति रस में सराबोर हो गए। रामचरितमानस के हर श्लोक से वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके बाद विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया, जो आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि संत परंपरा को मजबूत करने, भक्ति और सेवा का भाव जागृत करने हेतु 22 वर्षों से 20-21 दिसंबर को यह पावन अनुष्ठान चला आ रहा है। इस अवसर पर विधायक बुदनी एवं ट्रस्ट समिति अध्यक्ष बांद्राभान रमाकांत भार्गव,पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया,सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सलकनपुर देवी मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महेश उपाध्याय, अशोक सिंह, शिवनारायण मालवीय, मनोहर सिंह, लखन लाल थापक, चिमन सिंह कुशवाहा, बद्रीप्रसाद सिसोदिया, लक्ष्मण सिंह, सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

रक्त सेवा समिति करेगी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान

गंजबासौदा। रक्त सेवा समिति की एक बैठक कार्यालय में आयोजित की गई जिसमें समिति के रजत जयंती बर्ष के आगामी कार्यक्रम की योजना बनाई गई। बैठक में कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर रक्त सेवा समिति के संस्थापक राजेश तिवारी ने बताया कि समिति द्वारा 25 दिसंबर वेदांत आश्रम त्योंदा रोड पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा जिसमें रजत जयंती वर्ष के विशेष अंक पत्रिका का विमोचन होगा। और साथ ही 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का विशेष सम्मान किया जाएगा। साथ ही अतिथियों का मार्गदर्शन, उद्बोधन प्राप्त होगा। और महिला शाखा के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। बैठक में राकेश जैन विद्युत अध्यक्ष, अनिल दुबे सचिव, ममता जैन महिला शाखा अध्यक्ष, सुभेद्र सिंह राजपूत युवा शाखा अध्यक्ष उपस्थित रहे।

पक्का मकान और कुएं का मनमाना मुआवजा तय करने का गंभीर आरोप

अनूपपुर। तहसील के रक्सा एवं कोलमी क्षेत्र में निजी परियोजना के नाम पर प्रभावित एक परिवार का पक्का मकान और परिसर में स्थित कुएं के एवज में न्यूज़ोन कंपनी एवं टोरंटो पावर द्वारा मात्र 1 लाख 30 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाना अब बड़े विवाद का रूप ले चुका है। इस आकलन को लेकर न सिर्फ प्रभावित परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मुआवजा नहीं बल्कि विस्थापित परिवार के साथ खुला अन्याय है। जिस पक्के मकान को ईंट, सीमेंट और मजबूत संरचना से वर्षों पहले बनाया गया, और जिसमें एक परिवार सम्मानजनक जीवन जी रहा था, उसी मकान और घरेलू व कृषि उपयोग के कुएं को कंपनियों ने कौड़ियों के भाव आंक दिया। ग्रामीणों का तर्क है कि वर्तमान समय में मकान के निर्माण में न्यूनतम 8 से 10 लाख रुपये का खर्च आता है, जबकि कुएं की खुदाई, पक्की घेराबंदी और जलस्रोत विकसित करने की लागत अलग से लाखों में होती है। ऐसे में 1.30 लाख रुपये का आंकलन यह संकेत देता है कि या तो स्थल का निरीक्षण किया ही नहीं गया, या फिर जानबूझकर वास्तविक मूल्य को दबाया गया। प्रभावित परिवार ने आरोप लगाया है कि मुआवजा तय करते समय न तो मौके पर सही ढंग से निरीक्षण किया गया और न ही मकान की गुणवत्ता, स्थायित्व एवं अतिरिक्त संरचनाओं को शामिल किया गया। उनका कहना है कि पूरी प्रक्रिया सिर्फ कागजी खानापूर्ति बनकर रह गई, जिससे उन्हें न तो न्याय मिला और न ही पुनर्वास की कोई ठोस व्यवस्था दिखाई देती है।

पत्रकार पर जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार, निकाला जुलूस

मंडीदीप पुलिस की सख्त कार्रवाई से अपराधियों में खौफ

अजय आहूजा मंडीदीप

मंडीदीप राजधानी के सटीक औद्योगिक शहर मे बीती रात शहर के एक वरिष्ठ पत्रकार कल्याणमल जैन पर हुए जानलेवा हमले ने सबको चौंका दिया है मामले में पुलिस ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जुलूस निकालते हुए न्यायालय में पेश किया है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अपराधियों के बीच हड़कंप का माहौल है।

पुलिस के अनुसार, 20 दिसंबर की रात करीब 10:20 बजे फरियादी कल्याणमल जैन अपने घर के सामने पालतू कुत्ते को टहला रहे थे, तभी सफेद रंग की कार ने तेज व लापरवाही से टक्कर मार दी। घटना में उन्हें कमर व हाथों में चोटें आई। आरोप है कि कार सवार सिकन्दर खान और वसीम खान ने नशे की हालत में गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

मामले में सबूत मिटाने की कोशिश के संकेत भी मिले हैं, हालांकि पूरी गतिविधि सीसीटीवी कैमरों में कैद बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही शीला सुराना के निर्देशन में मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे ने त्वरित कार्रवाई करते हुए केस दर्ज की और आरोपियों को हिरासत में लिया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि न केवल पत्रकारों पर बल्कि किसी पर भी इस तरह हमला करना कानून-व्यवस्था को सीधी चुनौती है और ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

एसडीओपी शीला सुराना ने बताया कि मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है, अन्य की भूमिका की जांच जारी है। ष्टष्टञ्जङ्क व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गहन विवेचना की जा रही है। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

आष्टा में करणी सेना और विशेष समुदाय के बीच हुआ विवाद

वाहनों में तोड़फोड़ और पथराव, लाठी चार्ज के बाद भारी पुलिसबल तैनात

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले की आष्टा तहसील के अंतर्गत आने वाले अलीपुर अलाके में रविवार रात दो पक्षों के बीच मामूली कहासुनी से शुरु हुई तनातनी ने देखते ही देखते बड़े विवाद का रूप धारण कर लिया। बताया जा रहा है कि, कुछ ही देर में यहां हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि जमकर पथराव भी हुआ और सड़क किनारे खड़े कई वाहनों में तोड़फोड़ तक की गई है। घटना के चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि, हरदा के धरना प्रदर्शन से लौट रहे करणी सेना के कार्यकर्ताओं और समुदाय विशेष के कुछ लोगों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ था। इसमें कहासुनी इस कदर बढ़ गई कि, दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिसमें देखते ही देखते मारपीट पथराव तक हो गया। इस दौरान सड़क किनारे खड़े वाहनों में भी तोड़फोड़ हुई है। घटना की जानकारी लगते ही आष्टा और पार्वती थाने के साथ-साथ आसपास के थानों से भी भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचाना पड़ा।

देर रात तक बने रहे तनातनी के हालात

हालात नियंत्रण में लेने के लिए पुलिस को खासा मशक्कत करनी पड़ी। सूत्रों की माने तो भीड़ को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले तक छोड़ने पड़े। साथ ही, पुलिस द्वारा हल्का बल भी प्रयोग किया गया है। हालांकि, किसी अदिकारी द्वारा अबतक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। घटना के चलते कुछ समय के लिए चक्काजाम की स्थिति भी बनी, जिससे राहगीरों के साथ साथ स्थानीय लोगों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ा। करणी सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा नारेबाजी की भी खबर सामने आई है। पुलिस रात से ही मौके पर तैनात है। वहीं, लगभग 12 बजे तक माहौल पूरी तरह शांत नहीं हुआ था। हालांकि, खबर लिखे जाने तक दोनों पक्षों में से किसी ने कोई प्रकरण भी दर्ज नहीं कराया है।

अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने प्रशासन ने की सख्ती

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर राजस्व, खाद्य आपूर्ति और वेयरहाउसिंग विभाग की एक संयुक्त टीम ने व्यापारियों और राइस मिलर्स के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। इस अभियान के तहत गोपाल एग्रोटेक लिंगा, जय मां अम्बे राइस मिल एंड ट्रेडर्स बगदरा, मां संतोषी इंडस्ट्रीज नैतरा और अग्रवाल राइस इंडस्ट्रीज लिंगा जैसे प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इन मिलों से कुल 2302.64 क्विंटल धान का स्टॉक मिला, जिसे उपार्जन अवधि समाप्त होने तक सील कर दिया गया।

आंदोलनकारी आज होंगे भोपाल के लिए रवाना

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जिले से लगे बहुआबादी वाले कस्बाई इलाके सिहोरा को जिला बनाने की मांग अब मध्य प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री तक पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि सिहोरा को जिला बनाने की मांग पिछले 30 साल से चल रही है। इसी को लेकर लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति और स्थानीय लोग पिछले 15 दिन यानी 3 दिसंबर 2025 से लगातार आमरण सत्याग्रह कर रहे हैं। अब सीएम डॉ. मोहन यादव ने आंदोलनकारियों को उनसे मिलने बुलाया है। 22 दिसंबर यानी आज करीब 50 आंदोलनकारी दोपहर 2 बजे निजी वाहनों से भोपाल के लिए रवाना होंगे। 23 दिसंबर को उनकी मुलाकात सीएम से होगी। इसमें वो सिहोरा जिला बनाने की मांग को लेकर बातचीत करेंगे। उन्हें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री से उनकी बात निर्णायक साबित होगी।

राज्य शिक्षक संघ ने लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

राज्य शिक्षक संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाकर अपनी मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों की मांग है कि उनकी वरिष्ठता नियुक्ति की तारीख से मानी जाए। साथ ही ई अटेंडेंस नियम को भी आसान किया जाए। संघ ने कहा कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो 25 दिसंबर को भोपाल में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष योगेश बिसेन ने बताया कि यह प्रदर्शन राज्य शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर किया गया। इससे पहले 7 दिसंबर को विकासखंड स्तर पर ज्ञापन दिए गए थे। अब जिला स्तर पर भी सरकार से मांगें पूरी करने की अपील की है।

इलेक्ट्रीशियन की शिकायत: नप अध्यक्षपति ने धमकाया और की अभद्रता, ऑडियो वायरल

शहडोल। दोपहर मेट्रो

कुर्सी और पद का जितना उपयोग स्वयं कुर्सी पाने वाला नहीं करता उससे कहीं ज्यादा उसके लोग उस कुर्सी का दुरुपयोग करने का प्रयास करते हैं। जिससे किसी भी जनप्रतिनिधि की छवि धूमिल होती है। ऐसा ही एक मामला जिले के नगर परिषद बकहो में सामने आया है जहां पर अध्यक्ष पति के ऊपर नगर परिषद बकहो में पदस्थ इलेक्ट्रीशियन जितेंद्र दहिया के द्वारा नगर परिषद के अध्यक्ष पति विष्णु केवट के ऊपर धमकाने एवं अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी से की है। साथ ही मामले से संबंधित एक ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। कथित ऑडियो अध्यक्ष पति का बताया जा रहा

है। जिसमें दो लोगों की आवज स्पष्ट रूपस सुनाई देती है। जिसमें किसी काम को लेकर दोनों के एक तरफ से जितना बोला उतना करो एक बार में समझ में नहीं आता है ऐसी बातें चल रही है।

बकहो ग्राउंड में क्रिकेट टूर्नामेंट चल रहा है। शिकायतकर्ता जितेंद्र दहिया ने बताया की यह क्रिकेट टूर्नामेंट प्राइवेट है इसमें निकाय का किसी भी प्रकार से कोई सहयोग नहीं है। इसके बावजूद भी अध्यक्ष पति विष्णु केवट के द्वारा बकहो ग्राउंड में चल रहे टूर्नामेंट में नगर परिषद की स्ट्रीट लाइट से तार खिंचवाकर डायरेक्ट कनेक्शन लिया जा रहा है। जिस पर मना करने पर अध्यक्ष पति के द्वारा नगर परिषद में पदस्थ इलेक्ट्रीशियन के ऊपर अनर्गल दबाव बनाया जा रहा है साथ ही काम से निकलवा देने की धमकी भी दी जा रही है। जितेन्द्र दाहिया इलेक्ट्रीशन के पद में नगर परिषद् बकही में पदस्थ हूँ एवं मेरे द्वारा स्ट्रीट लाईट सुधार का कार्य कराया जा रहा था एवं अध्यक्ष पति द्वारा कॉल कर बोला कि बकहो ग्राउंड में चल रहे किक्रेट मैच में नगर परिषद् के केबल से लाईट कनेक्शन करने हेतु बोला गया उसके उपरांत शिकायतकर्ता द्वारा कहा गया कि नगर परिषद बकहों के स्ट्रीट लाईट के कंगाल से कनेक्शन न लेकर बिजली विभाग से तत्कालीन व्यवस्था के लिये टीसी कनेक्शन ले लिया जाए।

मेट्रो एंकर | सम्मान समारोह एवं शिक्षा के प्रति जन-जागरण कार्यक्रम का समापन

समाज को एकता के सूत्र में पिरोने और शिक्षा को आंदोलन बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल: पटेल

धनपुरी। दोपहर मेट्रो

शिक्षा, संस्कार और सामाजिक चेतना के संगम का साक्षी बना धनपुरी का इंडोर स्टेडियम, जहां वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी महासभा के तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं शिक्षा के प्रति जन-जागरण कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती की वंदना के साथ हुआ, जिसका पाठ पं. राजीव शर्मा ने किया, वहीं लोधी समाज की छात्राओं ने सुमधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकेंद्र लिल्हारे जी (जीएसटी कमिश्नर, जबलपुर जोन) ने की। प्रमुख अतिथियों में पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल (प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय लोधी महासभा), श्रीमती ज्योति लिल्हारे (डिप्टी कलेक्टर एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, कटनी), धनपुरी नगर के पार्षद प्रवीण बडेलिया, कांग्रेस नेता मोहम्मद साबिर, पूर्व पार्षद

बरातू लोधी, एडवोकेट शंकर लोधी सहित समाज के प्रबुद्धजन, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल ने वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। अपने प्रेरक उद्बोधन में उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज को एकता के सूत्र में पिरोने और शिक्षा को आंदोलन बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने वीरांगना रानी आवंती बाई के साहस, सुशासन और बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि इतिहास की ये महान विभूतियां आज भी हमें स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देती हैं।

कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं, नवोदय विद्यालय, नीट सहित अन्य विशेष परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने वाले विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया।

लखेरान टोला बुढार के बच्चों को वितरित किए गर्म कपड़े

शहडोल/बुढार। दोपहर मेट्रो

बरगद वाला शॉप बुढार परिवार द्वारा भीषण ठंड को देखते हुए शासकीय स्कूल, लखेरान टोला बुढार के बच्चों को कपड़े, टोपा, मफलर वितरित किए गए। इस अवसर पर बरगद वाला शॉप बुढार के संचालक प्रसन्न जैन ने बताया कि पिछले कई वर्षों से हमारा परिवार दूर गांव गांव जाकर ग्रामीण स्कूल के बच्चों को गरम कपड़े, स्कूल यूनिफार्म वितरित करता आ रहा है। आज भी शासकीय स्कूलों की दयनीय दशा देख मन विचलित हो जाता है कि देश विश्व शीर्ष बनने की तैयारी कर रहा है और आज भी देश का भविष्य हमारे बच्चे दयनीय स्थिति में अध्ययन करने मजबूर हैं। निश्चित यह शिक्षा कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह इंगित करता है।

न्यूज विंडो

खेल महाकुंभ एवं सांस्कृतिक महोत्सव का आगाज 5 जनवरी से

मंडीदीप। नगरपालिका पहली नगर पालिका है जहां बच्चों की प्रतिभाओं को निकालने के लिए एक मंच प्रदान किया जाता है जिसकी शुरुआत पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विपिन भार्गव ने लगभग 20 वर्षों पहले की थी, जो आज बट वृक्ष के रूप में निरंतर परंपरा चलती आ रही है जिसको लेकर शनिवार को नगर पालिका में स्कूल संचालकों की बैठक का आयोजन किया गया जिसकी जानकारी देते हुए सीएमओ प्रशांत जैन ने बताया कि जिसमें सर्व सहमति से निर्णय लिया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी धूमधाम से भव्य आयोजन किया जाएगा जो 5 जनवरी को रंगारंग कार्यक्रम के साथ जिसका भव्य आगाज किया जाएगा जिसका समापन 26 जनवरी को सांस्कृतिक एवं पुरस्कार वितरण के साथ किया जाएगा जिसमें शहर के लगभग 100 स्कूल भाग लेंगे व्यवस्थापक प्रेम नारायण शर्मा ने बताया कि गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद मण्डीदीप द्वारा 5 जनवरी से 22 जनवरी तक खेलकूद प्रतियोगिताओं व 23 जनवरी से 26 जनवरी तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें इस वर्ष स्कूल संचालकों की मांग पर कराटे प्रतियोगिता एवं अंडर 16 फुटबॉल प्रतियोगिता माध्यमिक वर्ग के लिए बढ़ाई गई है बाकी सभी आयोजन पूर्व अनुसार आयोजित किए जाएंगे इस मौके पर पुष्पा साहू, बहादुर पाल देवी अजमेरा ,कपिल देव चौहान ,विजय पटेल ,सुनील खामरा ,मस्त देव नामदेव सहित समस्त स्कूल संचालकों एवं स्कूल कोच मौजूद थे

पत्रकारिता और समाज सेवा के लिए राजकुमार को मिला गौरव सम्मान

मंडीदीप। कायस्थ समाज मे श्रेष्ठ,उत्कृष्ट कार्य कर रहे प्रतिभाओ को कायस्थ बंधु समिति की ओर से सम्मानित किया जा रहा है।समाज सेवा, पत्रकारिता करने वालो के सम्मान को लेकर समिति ने उनका चित्रगुप्त सम्मान दिया।इसी उद्देश्य को लेकर शनिवार को पटेल नगर निवासी चित्रांश राजकुमार श्रीवास्तव के सम्मान मे कार्यक्रम रखा गया है।कायस्थ बंधु समिति के अध्यक्ष गिरीश.श्रीवास्तव को विगत आठ साल से निष्पक्ष पत्रकारिता कर रहे चित्रांश राजकुमार श्रीवास्तव जी को पीला गमछा पहनाकर सम्मान मे प्रशस्ति पत्र,स्मृति चिन्ह प्रदान कर भगवान श्री.चित्रगुप्त जी की तस्वीर भेट की है। समिति के गिरीश.श्रीवास्तव ने बताया कि कायस्थ बंधु समिति भोपाल विगत लम्बे समय से कायस्थ समाज के पत्रकार,समाज सेवी लोगों के लिए चित्रगुप्त सम्मान कार्यक्रम लगातार आयोजित कर रही है।

साल की सबसे लंबी रात, ब्रह्मांड के सबसे बड़े सितारों' के साथ

इटारसी। जब साल 2025 की सबसे लंबी रात (13 घंटे 15 मिनट) का आगाज़ हो रहा था, तब इटारसी के आसमान में एक अद्भुत नज़ारा कैद हो रहा था। भारतीय स्टेट बैंक की अनूठी पहल पर आयोजित 'स्टारगेजिंग' कार्यक्रम में शहरवासियों ने टेलीस्कोप की मदद से अंतरिक्ष के दो दिग्गजों जुपिटर (बृहस्पति) और सैटर्न (शनि) का दीदार किया। साईं फॉर्च्यून कॉलोनी, सोनासांवरी में आयोजित इस कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन राजेश पाराशर ने दो विशाल न्यूटेनियन टेलीस्कोप के जरिए लोगों को अंतरिक्ष की गहराईयों से रूबरू कराया। दर्शकों ने न केवल सौरमंडल के सबसे बड़े ग्रह जुपिटर और उसके चंद्रमाओं को देखा, बल्कि शनि (सैटर्न) के चमकीले छल्लों को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। एसबीआई के चीफ मैनेजर सुजीत कुमार की पहल पर हुए इस आयोजन में बैंक स्टाफ और आम नागरिकों ने वैज्ञानिक जानकारियां साझा की। सुजीत कुमार ने बताया कि एसबीआई बैंकिंग के साथ-साथ सामाजिक और बौद्धिक जागरूकता के कार्यों में भी अग्रणी रहता है। रिसोर्स पर्सन राजेश पाराशर ने कहा कि देश का सबसे बड़ा बैंक होने के नाते, एसबीआई का उद्देश्य ग्राहकों के बीच भरोसा बढ़ाना और समाज को नई जानकारियों से जोड़ना है।

सिवनी में सड़क पार करते दिखा बाघ राहगीरों ने कैमरे में कर लिया कैद

सिवनी। जिले के पेंच टाइगर रिजर्व से सटे खवासा-टुरिया मार्ग पर देर रात एक बाघ सड़क पार करते हुए दिखा। बाइक सवार कुछ लोग रास्ते से गुजर रहे थे, तभी उन्होंने बाघ को सड़क पार करते हुए देखा। बाइक सवारों ने कुछ दूरी पर रुककर इस दृश्य को मोबाइल में कैद कर लिया। यह क्षेत्र पेंच टाइगर रिजर्व से सटा हुआ है, जिसके कारण यहां अक्सर वन्यजीव दिखाई देते हैं।

कलेक्टर की विशेष पहल पर मिशन परिवर्तन 100 ने पकड़ी तेजी

'परख ऐप' का बेहतर उपयोग कर मॉनिटरिंग सिस्टम किया तैयार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में कलेक्टर सोनिया मीना की विशेष पहल पर मिशन परिवर्तन 100 तेजी से गति पकड़ रहा है। 100 परिवर्तक अधिकारियों को शासकीय संस्थाओं का व्यापक निरीक्षण सौंपा गया है। कलेक्टर के सख्त निर्देशों पर अधिकारी अपनी-अपनी आवंटित संस्थाओं में नियमित भ्रमण कर रहे हैं। वे स्वयं निरीक्षण कर कमियों को चिन्हित कर रहे हैं और उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। इस मिशन में जिले के कुल 1428 आंगनवाड़ी केंद्र, 1207 छात्रावास, 302 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 1218 शासकीय शालाएं और 545 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र शामिल हैं। अब तक 2892 निरीक्षण पूर्ण हो चुके हैं। इनमें 799 आंगनवाड़ी केंद्र, 860 छात्रावास, 183 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 834 शासकीय शालाएं और 216 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का निरीक्षण हो चुका है। अभियान से संस्थाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। जिला प्रशासन शेष निरीक्षणों को भी जल्द पूरा करने की तैयारी में जुटा है। पारंपरिक निरीक्षण के साथ नियमित मॉनिटरिंग की चुनौती को देखते हुए कलेक्टर सोनिया मीना ने खुद जिला ई-गवर्नेंस विभाग को सक्रिय किया। उनकी पहल पर शासन के उन्नत प्लेटफॉर्म %परख एप% का बेहतर उपयोग कर केंद्रीयकृत मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया गया। जिला ई-गवर्नेंस मैनेजर संदीप चौरसिया के नेतृत्व में प्रत्येक अधिकारी की आवंटित संस्थाओं का विवरण एप पर अपलोड किया गया। सभी को अलग-अलग लॉगिन आईडी दी गईं, जिससे वे निरीक्षण की तारीख, समय, कमियां और अन्य जानकारी सीधे अपडेट कर रहे हैं।इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से सभी निरीक्षण, लंबित कार्य, अधिकारीवार टीपें और प्रगति रिपोर्ट एकत्रित हो रही हैं। खास बात यह है कि इसकी नियमित समीक्षा स्वयं कलेक्टर कर रही हैं। इससे प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनी हुई है और समयबद्धता सुनिश्चित हो रही है। ई-गवर्नेंस टीम ने बताया कि कलेक्टर की इस पहल से अब एक क्लिक पर जिले भर की स्थिति का जायजा लिया जा सकता है।

मिशन केवल निरीक्षण तक ही सीमित नहीं रहे, परिणामोन्मुखी बनेः कलेक्टर

कलेक्टर सोनिया मीना ने बताया कि मिशन का उद्देश्य जिले में स्थित स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, छात्रावासों और स्वास्थ्य संस्थाओं को शासन के निर्देशों के अनुरूप, उच्चतम गुणवत्ता के स्तर पर संचालित करना है। हमारा प्रयास है कि मिशन केवल निरीक्षण तक ही सीमित नहीं रहे, अपितु इससे व्यवस्थाओं को और प्रभावी एवं सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने बताया कि यदि निरीक्षण के दौरान किसी भी स्तर पर कोई समस्या सामने आती है, तो संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर उसका समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। जिन समस्याओं का समाधान विभागीय संसाधन संभव हों, वहां विभागीय संसाधनों से तथा जहां आवश्यकता हो, वहां व्यक्तिगत प्रयासों से भी व्यवस्थाओं को और मजबूती प्रदान करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस की कार्रवाई

लूट के तीनों आरोपी पकड़ाए 8,950 रुपये और पर्स किया बरामद

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कोतवाली थाना पुलिस ने बुधनी रोड पर हुई लूट की घटना का महज 12 घंटों में पर्दाफाश कर दिया। तीनों आरोपी बस स्टैंड से गिरफ्तार हो गए।फरियादी आनंद वैष्णव (ग्राम लांझी, थाना स्टेशन रोड पिपरिया) ने बताया कि 20 दिसंबर को सिवनी नाके वाली पुलिया के पास फारुख बेग, सलमान शाह और विनोद विश्वकर्मा ने उनका रास्ता रोका और पर्स से 8950 रुपये छीन लिए। रिपोर्ट पर थाने में अपराध दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस. थोटा के निर्देश पर अतिरिक्त एसपी अभिषेक राजन और एसडीओपी जितेंद्र पाठक के नेतृत्व में टीम गठित की गई। बस स्टैंड नर्मदापुरम से तीनों आरोपी पकड़े गए। फारुख बेग (बंगाली कॉलोनी) के कब्जे से महरून स्कूटी, सलमान शाह (खोजनपुर कचरापट्टी) से लूटे 8950 रुपये और विनोद विश्वकर्मा (बांकी उमरिया छिंदवाड़ा) की निशानदेही पर पर्स जब्त किया। आरोपियों को पकड़ने मे थाना प्रभारी कंचन सिंह, उनि. विशाल नागवे, उनि. महेश जाट, सउनि. प्रमोद पटेल, आरक्षक रितेश यदुवंशी, अजमेश चंद्रोल, गजेंद्र डडोरे, संतोष धाकड़, हरीश, पंकज, वैभव और रामकुमार की अहम भूमिका रही।

23 से 26 तक होगी इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में पहला इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट 23 से 26 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। संत सुधासागर इंटरनेशनल स्कूल प्रबंधन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में विजेता को ट्राफी के साथ ही 21 हजार रूपए प्रदान उपविजेता को 11 हजार रूपए प्रदान किए जाएंगे। आयोजन समिति के सदस्य मनीष जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में शहर के ही स्कूलों की टीमें खेलेंगी और खिलाड़ियों की आयु 14 वर्ष तक होगी।

विश्व ध्यान दिवस पर पुलिस थानों में तनाव मुक्ति सत्र, 400 जवान शामिल

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

विश्व ध्यान दिवस पर नर्मदापुरम पुलिस ने जिले भर में तनाव मुक्ति एवं ध्यान केंद्र कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर मध्यप्रदेश पुलिस और हार्टफुलनेस संस्थान के सहयोग से यह सत्र रक्षित केंद्र से लेकर सभी थानों तक ऑनलाइन पहुंचा।कार्यक्रम का लक्ष्य पुलिसकर्मियों का मानसिक स्वास्थ्य मजबूत करना, तनाव कम करना, काम की क्षमता बढ़ाना और ड्यूटी पर फोकस सुधारना रहा। कंट्रोल रूम में रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल की अगुवाई में 100 जवान शामिल हुए। जिले के थानों से कुल 296 ने हिस्सा लिया।हार्टफुलनेस के अमित गोपलानी और वॉलंटियर्स ने मार्गदर्शन दिया। इससे पुलिस टीम में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।

नैनपुर में 'एक बगिया मां के नाम' योजना एक परिवार के लिए बना विवाद का कारण

मंडला। दोपहर मेट्रो

जिले के नैनपुर तहसील के ग्राम भड़िया में एक बगिया मां के नाम योजना एक परिवार के लिए विवाद का कारण बन गई। योजना के तहत किए गए पौधरोपण और फेंसिंग को लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और एक अन्य हितग्राही के बीच वर्षों से चला आ रहा भूमि विवाद रविवार को गंभीर हो गया। इसी विवाद के चलते आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के परिवार को रातभर घर में कैद रहना पड़ा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जयंती मरावी ने बताया कि उन्होंने लगभग दस साल पहले सरकारी जमीन पर मकान बनाकर रहना शुरू किया था। उनका आरोप है कि बाद में ग्राम पंचायत की सहमति से यह भूमि अंतराम पिता महेश नामक ग्रामीण को आवंटित कर दी गई। इसी विवादित भूमि पर %एक बगिया मां के नाम% योजना का लाभ भी उसे दे दिया गया, जबकि यह मामला वर्तमान में सिविल कोर्ट में विचाराधीन है।

गोल्डन केरी पब्लिक हासे स्कूल के शिवा का राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयन

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती कहावत को सार्थक करते हुए गोल्डन केरी पब्लिक स्कूल केहोनहार छात्र शिवा राय का राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयन हुआ है संचालक देवेंद्र अजमेरा ने बताया कि शिवा मेहनत, लग्न और अपने खेल की बदौलत अपने खेल की बदौलत इस मुकाम पर पहुंचा है ज्ञात हो कि शहर में स्टेडियम के अभाव में भी प्रतिभाएं अपने उत्कृष्ट खेल एवं कौशल का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नगर प्रदेश और देश को को गोरांवित कर रही है इस मौके पर सैकड़ो लोगों ने बधाइयां दी।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष को लेकर निकाली कलशयात्रा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे हिन्दू सम्मेलन की श्रृंखला में रविवार को केशव बस्ती में कलश यात्रा निकाली गई। बस्ती में 11 जनवरी को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन होगा। इसी की पूर्व तैयारियों के उद्देश्य से रविवार को बस्ती में तीन स्थानों से कलश यात्रा निकाली गई। पालीवाल कॉलोनी में स्थित माता मंदिर से शुरू हुई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं अपने सिर पर कलश स्थापित कर निकली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह कार्यवाह राजेन्द्र खोड़के ने ध्वज लेकर इस कलश यात्रा की अगावानी की। यह कलश यात्रा एक्सचेंज रोड से होते हुए बस स्टैंड स्थित शिव मंदिर पर पहुंची। बस्ती की दूसरी कलश यात्रा पाटीदार धर्मशाला परिसर से शुरू हुई और प्रमुख मार्गो से होते हुए शिव मंदिर परिसर पहुंची और तीसरी

कलश यात्रा लाला पथ से शुरू होकर शिव मंदिर पर पहुंची। यहीं पर तीनों कलश यात्रा का मिलन हुआ और फिर ये सभी यात्रा पालीवाल गार्डन में पहुंची।

भूमिपूजन कार्यक्रम के उपरांत विभाग सह कार्यवाह राजेन्द्र खोड़के ने मौजूद जनसमुदाय के आयोजन के उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज में समरसता प्रसार और जागरूता के लिए आयोजन हो रहा है। आज यहा पर ध्वज स्थापना हुइ है और अब 11 जनवरी को बस्ती का विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित होगा। इस अवसर पर आयोजन समिति का गठन भी किया गया। जिसमें संयोजक सत्यनारायण शर्मा, सचिव पंकज श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रणवीर राठौर, सह संयोजक माधवी खोड़के तथा अरूण चौरसिया को बनाया गया है। इनके साथ 14 सदस्य भी बनाए गए हैं।

मेट्रो एंकर

हॉकी प्रतियोगिता का समापन, अमर ज्योति इटारसी रही तीसरे स्थान पर

प्रयागराज ने इंडियन आर्मी जालंधर को हराया, बना चैम्पियन

इटारसी। दोपहर मेट्रो

खेल भावना, बेजोड़ तकनीक और सांस रोक देने वाले रोमांच के बीच अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज ने खिताब पर कब्जा जमाया, वहीं मेजबान इटारसी की टीम ने भी अपने प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। समापन अवसर पर डॉ. सीतासरन शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी और पंकज चौरे ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

खिताब के लिए मैदान पर उतरी इंडियन आर्मी जालंधर और एन सी आर प्रयागराज की टीमों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। 10वें मिनट में जालंधर ने गोल कर 1-0 की बढ़त बनाई, जिसे प्रयागराज के जस्सी ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए बराबरी पर ला दिया। दूसरे क्वार्टर में जालंधर के श्रीकांत ने पेनल्टी कॉर्नर भुनाकर स्कोर 2-1 किया, लेकिन 21वें मिनट में प्रयागराज के अजय ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर मुकाबला फिर 2-2 की बराबरी पर ला खड़ा किया। निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 रहने के बाद मुकाबला शूट-आउट में गया, जहां प्रयागराज ने 3-2 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। तीसरे और चौथे स्थान के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर और अमर ज्योति क्लब इटारसी के बीच कड़ा संघर्ष हुआ। मैच के 54वें मिनट में बिलासपुर ने 1-0 की बढ़त बना ली थी और हार का साया इटारसी पर मंडरा रहा था। लेकिन 59वें मिनट में इटारसी ने जबरदस्त वापसी करते हुए बराबरी का गोल दागा। अंततः पेनाल्टी शूट-आउट में अमर ज्योति क्लब इटारसी ने 3-2 से जीत हासिल कर प्रतियोगिता में तीसरा स्थान सुरक्षित किया।

अतिथियों ने किया विजेताओं को पुरस्कृत

समापन समारोह में अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। स्वागत समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र दुबे ने प्रतियोगिता की सफलता का श्रेय पूरी टीम को दिया। उन्होंने सफाई कर्मियों, ग्राउंड स्टाफ, मीडिया, तकनीकी समिति और प्रचार-प्रसार समिति के सहयोग के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। इस दौरान राहुल चौरे, निपुण गोठी, शिरीष कोठारी और जयकिशोर चौधरी सहित खेल प्रेमी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरी प्रतियोगिता के दौरान मैदान खचाखच भरा रहा। स्थानीय टीम अमर ज्योति इटारसी के शूट-आउट जीतने पर पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

सूजी बेट्स की बराबरी पर पहुंचीं

मंधाना महिला टी20 में 4000 रन पूरे करने वाली पहली भारतीय

विशाखापत्तनम , एजेंसी

भारतीय महिला टीम के स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। मंधाना महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन पूरे करने वाली भारत की पहली और सूजी बेट्स के बाद दुनिया की दूसरी बल्लेबाज बन गई हैं। महिला विश्व कप में खिताबी जीत के बाद मंधाना पहली बार मैदान पर उतरी थीं और उन्होंने यह खास उपलब्धि दर्ज की।

भारत की दमदार जीत– जेमिमा रोड्रिग्स की नाबाद अर्धशतक की मदद से भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को पहले टी20 मैच में आठ विकेट से हराया। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिससे श्रीलंका की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर

121 रन ही बना सकी। जवाब में भारत ने जेमिमा के दमदार प्रदर्शन से 14.4 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर मैच जीत लिया। भारत ने इस तरह पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

मंधाना ने जेमिमा के साथ निभाई साझेदारी– लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारत को शेफाली वर्मा के रूप में शुरुआती झटका लगा। शेफाली नौ रन बनाकर आउट हुईं। काव्या काविंदी ने भारत को पहला झटका दिया। हालांकि, इसके बाद मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने शानदार साझेदारी की। मंधाना ने इस दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन भी पूरे कर लिए। इनोका ने हालांकि, मंधाना को आउट किया जो 25 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 25 रन बनाकर आउट हुईं।

टी20 में सर्वाधिक रन बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज हैं मंधाना

मंधाना महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज हैं। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज सूजी बेट्स ने टी20 में 4716 रन बनाए हैं, जबकि अब मंधाना भी 4000+ रन बना चुकी हैं। मंधाना और बेट्स ही महिला क्रिकेट में अब तक टी20 में 4000 रन बना सकी हैं। महिला टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर तीसरे स्थान पर हैं जिन्होंने 3600 से अधिक रन बनाए हैं।

2023 वन डे विश्व कप को लेकर हिटमैन का बड़ा खुलासा

हार से टूट चुके थे रोहित शर्मा, क्रिकेट से संन्यास लेने का भी आया था विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने 2023 वनडे विश्व कप फाइनल की हार पर विचार रखे। रोहित ने इस बात का खुलासा किया है कि ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद उनके मन में क्रिकेट से संन्यास लेने का विचार आया था। रोहित की अगुआई वाली टीम उस वक्त शानदार फॉर्म में थी और भारत अजेय रहते हुए फाइनल में पहुंचा था। भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था।

विश्व कप में दमदार फॉर्म में थे रोहित – रोहित 2023 वनडे विश्व कप में अच्छी फॉर्म में थे और उन्होंने 11 मैचों में 54.27 के औसत और 125.94 के स्ट्राइक रेट से 597 रन बनाए थे। भारतीय टीम फाइनल में 240 रन ही बना सकी थी। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने 120 गेंदों पर 137 रन बनाए थे जिससे कंगारू टीम ने छह विकेट से जीत हासिल की थी। एक कार्यक्रम के दौरान रोहित से हार के बाद उनकी भावनाओं और उन्होंने खुद को इससे कैसे संभाला, इस बारे में पूछा गया। भारत के पूर्व वनडे कप्तान ने कहा कि यह उनके लिए व्यक्तिगत रूप से एक कठिन क्षण था क्योंकि 2022 में टीम का कप्तान बनने के बाद विश्व कप जीतना उनका लक्ष्य था।

रोहित बोले– व्यक्तिगत रूप से कठिन समय था– रोहित ने कहा, सभी बेहद निराश थे और हमें विश्वास ही नहीं हो रहा था कि क्या हुआ है। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह बहुत कठिन समय था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था, न केवल उससे दो-तीन महीने पहले, बल्कि 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं विश्व कप की तैयारियों में जुट गया था। मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 2023 विश्व कप। इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया, तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया। मेरे शरीर में बिल्कुल भी ऊर्जा नहीं बची थी। मुझे इस हार से उबरने और खुद को वापस पटरी पर लाने में कुछ महीने लग गए।

मुझे पता था, जिंदगीयहीं खत्म नहीं होगी

रोहित ने कहा कि 2024 टी20 विश्व कप के लिए उन्हें तुरंत तैयारी करनी पड़ी, लेकिन हार का दर्द इतना गहरा था कि उन्हें लगा कि अब उनके पास खेल को देने के लिए कुछ बचा ही नहीं है। उन्होंने कहा, जब आप किसी चीज में इतना निवेश करते हैं और मनचाहा परिणाम नहीं मिलता, तो यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है। मेरे साथ भी ठीक यही हुआ। लेकिन मुझे यह भी पता था कि जिंदगी यहीं खत्म नहीं होती। यह मेरे लिए निराशा से निपटने, खुद को तैयार करने और नई शुरुआत करने का एक बड़ा सबक था। मुझे पता था कि 2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाला टी20 विश्व कप कुछ और ही है और मुझे अपना सारा ध्यान उसी पर केंद्रित करना था। आज यह कहना बहुत आसान है, लेकिन उस समय यह बेहद मुश्किल था। एक समय ऐसा भी आया जब मुझे सचमुच लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मेरी सारी ऊर्जा छीन ली थी और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है।

किस तरह हासिल की प्रेरणा?

रोहित ने बताया कि उन्होंने धीरे-धीरे दोबारा खेलने की प्रेरणा हासिल की। रोहित ने कहा, वापस आने में समय, बहुत ऊर्जा और आत्म-चिंतन लगा। मैं खुद को बार-बार याद दिलाता रहा कि यह वो चीज है जिससे मुझे सच्चा प्यार है, ये मेरे सामने है और मैं इसे इतनी आसानी से जाने नहीं दे सकता। धीरे-धीरे मैंने मेहनत करके, ऊर्जा जुटाकर और मैदान पर दोबारा सक्रिय होकर वापसी का रास्ता खोज लिया। मालूम हो कि वनडे विश्व कप में मिली हार के सात महीने बाद भारत ने रोहित की कप्तानी में 2024 टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। रोहित टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और अब भारत के लिए बस वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं।

टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर हुए गिल को गावस्कर की सलाह

किसी को बोलो नजर उतार दे...

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम के सेलेक्शन ने सबको चौंका दिया. साउथ अफ्रीकी सीरीज में टीम के उप-कप्तान रहे शुभमन गिल को स्क्वॉड से ही आउट कर दिया गया। शुभमन खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं, जिसके चलते चयनकर्ताओं ने ये कड़ा निर्णय लिया। शुभमन की जगह अक्षर पटेल को टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया। इस फैसले से कई लोग हैरान हुए, जिनमें टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर भी शामिल हैं। टीम के ऐलान पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें शुभमन गिल के बाहर होने की बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ये जरा भी सरप्राइज नहीं है, बल्कि ये पूरी तरह से सरप्राइज है।

सुनील गावस्कर ने शुभमन गिल की काबिलियत की तारीफ करते हुए कहा कि वह क्लासिक प्लेयर हैं और हाल के समय में उन्होंने शानदार

प्रदर्शन किया है। गावस्कर ने माना कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में शुभमन संघर्ष करते दिखे, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि फॉर्म आती-जाती रहती है, क्लास हमेशा बनी रहती है। सुनील गावस्कर ने यह भी समझाया कि लंबे समय बाद टी20 क्रिकेट में वापसी करना आसान नहीं होता। गावस्कर ने कहा, टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाज से पहली गेंद से आक्रामक खेलने की उम्मीद होती है और अगर लय नहीं हो, तो मुश्किल और बढ़ जाती है। गिल भी हाल ही में इसी परेशानी से जूझते नजर आए। गिल का स्वाभाविक खेल लंबे फॉर्मेट के ज्यादा अनुकूल है, जहां टाइमिंग और ग्राउंड शॉट्स अहम होते हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि गिल टी20 के लिए फिट नहीं हैं।

कभी-कभी लग जाती है नजर

एक निजी बात साझा करते हुए सुनील गावस्कर ने बताया कि वह हाल ही में अहमदाबाद से उसी फ्लाइट में शुभमन गिल और भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ यात्रा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गिल से प्यार और अपनापन दिखाते हुए कहा था, घर पर किसी को बोलो नजर उतार दे क्योंकि हम इसमें विश्वास करते हैं। हमारा मानना ?है कि कभी–कभी नजर लग जाती है। सुनील गावस्कर ने याद दिलाया कि इंडियन प्रीमियर लीग में शुभमन गिल का प्रदर्शन शानदार रहा है, जो उनकी टी20 क्षमता का सबूत है। गावस्कर ने कहा कि गिल बेहद अच्छे खिलाड़ी हैं और उन्हें आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए लोगों ने देखा है, इसलिए टी20 फॉर्मेट उनके लिए नया नहीं है।

नए साल में भारत का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से, दोनों टीमों के बीच खेले जाएंगे आठ मुकाबले

नई दिल्ली। भारत ने साउथ अफ्रीका को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 3-1 से हरा दिया और अब भारतीय टीम अपने घर में ही जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ क्रिकेट सीरीज खेलेगी। न्यूजीलैंड के टीम भारतीय दौरे पर आएगी और जनवरी में दोनों टीमों के बीच पहले 3 मैचों की वनडे सीरीज और फिर 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी यानी दोनों देशों के बीच कुल 8 मुकाबले खेले जाएंगे। भारत-न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी को होगी और ये मैच वडोदरा में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 14 जनवरी को राजकोट में होगा। इस वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला दोनों टीमों के बीच 18 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। वनडे सीरीज के सभी मैचों की शुरुआत दोपहर 1.30 बजे से होगी। तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी जिसकी शुरुआत 21 जनवरी से नागपुर में होगी। इस सीरीज का दूसरा मैच 23 जनवरी को रायपुर में खेला जाएगा जबकि तीसरा मुकाबला 25 जनवरी को गुवाहाटी में होगा।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

उर्मिला मातोंडकर ने छोड़ी एक्टिंग? अफवाहों पर दिया रिएक्शन, बोलीं

मैं इस समय सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह से हूं तैयार

एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने 1977 की फिल्म कर्म में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग डेब्यू किया था। 1991 में, उन्होंने नरसिम्हा से लीड रोल में डेब्यू किया। इसके बाद वह रंगीला, जुदाई, कौन, भूत और पिंजर जैसी फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, वह कई वर्षों से स्क्रीन से दूर हैं, जिससे दर्शकों को लगता है कि उन्होंने शायद फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है। फिल्म से दूरी बनाने की अफवाहों पर उर्मिला ने अपनी बात रखी है।

फिल्मों से दूरी बनाने की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्मिला मातोंडकर ने कहा, जब मेरे काम की बात आती है, तो मैं हमेशा सेलेक्टिव रही हूं। अगर किसी को लगा कि शायद मैं फिल्में नहीं कर रही हूं या कुछ और, तो मैं किसी को दोष नहीं दे सकती। हालांकि ऐसा कभी नहीं था। मैं इस समय सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

ओटीटी पर काम करना चाहती हैं उर्मिला– उर्मिला ने यह भी बताया कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा अब सेट पर वापस जाने और फिर से धमाल मचाने का समय आ गया है। उर्मिला ने बताया कि वह किस तरह के रोल करना चाहती हैं, मैं ऐसे रोल ढूंढ रही हूं जो मैंने पहले नहीं किए हैं, खासकर ओटीटी पर। क्योंकि ओटीटी पर बहुत कुछ हो रहा है, जिसने अलग-अलग तरह की शैलियों, किरदारों और भावनाओं के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं।

उर्मिला मातोंडकर का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो, 51 साल की एक्ट्रेस उर्मिला को आखिरी बार 2022 में डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस सुपर मॉम्स में जज के तौर पर देखा गया था। वह सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और अक्सर बेहतरीन तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

हाथ में झोला थामे धुंध के बीच दिल्ली की सड़कों पर टहलते दिखे रामचरण

दिल्ली की सर्दी अपने शबाब पर है। कोहरे और धुंध के बीच रामचरण को हाल ही में दिल्ली की सड़कों पर चहलकदमी करते देखा गया। उनकी फोटोज वायरल हो रही हैं। इस ठंड में एक्टर दरअसल शूटिंग के सिलसिले में पहुंचे हैं। वे अपनी आगामी फिल्म पेद्दी की शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग लोकेशन से उनकी फोटोज लीक हो गई हैं और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

रामचरण की फिल्म पेद्दी का जब से अनाउंसमेंट वीडियो आया है, तब से लेकर इसके फर्स्ट-लुक पोस्टर और टीजर झलकियों तक, इस फिल्म की खूब चर्चा हो रही है। इसका पहला गाना चिकिरी चिकिरी रिलीज होते ही छा गया था। अब फिल्म के सेट से रामचरण की कुछ तस्वीरें लीक हुई हैं, जिनमें वे दिल्ली में शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। सेट से सामने आई राम चरण की शूटिंग की तस्वीरों ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी

है। लीक तस्वीरों में दिख रहा है कि कड़ाके की ठंड में राम चरण दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के आसपास की सड़कों पर चलते हुए नजर आ रहे हैं। उनका लुक काफी रॉ और अलग दिखाई दे रहा है, जिससे साफ लगता है कि वह इस फिल्म में बिल्कुल अलग तरह का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की दिल्ली शूटिंग से लीक हुईं फोटोज ने फैंस के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। ऐसा लग रहा है कि राम चरण इस बार एक बिल्कुल नए अवतार में दर्शकों के सामने नजर आने वाले हैं।

मेट्रो बाजार

हम दुनिया को देंगे सस्ती-स्वच्छ ऊर्जा, मुकेश अंबानी का दावा

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने भारत के ऊर्जा भविष्य और न्यू इंडिया की बदलती तस्वीर पर बड़ा बयान दिया है। मुंबई में आयोजित एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने देश में ग्रीन एनर्जी की संभावनाओं और युवाओं की आकांक्षाओं पर खुलकर बात की।

ऊर्जा क्षेत्र में क्रांति की तैयारी मुकेश अंबानी ने संकेत दिया कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दहलीज पर खड़ा है। सौर ऊर्जा को लेकर पारंपरिक सोच को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा, ÷...हम स्थानीय ऊर्जा समस्याओं को सुलझाने के बेहद करीब हैं। सौर ऊर्जा का उपयोग अब केवल चार घंटे के ईंधन के रूप में नहीं किया जाएगा। हम सौर ऊर्जा का उपयोग उन समस्याओं को हल करने के लिए कर सकते हैं जिनसे भारत लंबे समय से जूझ रहा है। भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए आरआईएल चेयरमैन ने कहा कि रिलायंस न केवल भारत, बल्कि दुनिया के अधिकांश हिस्सों के लिए एक मिसाल पेश करेगा। उन्होंने कहा, ÷हम रास्ता दिखाएंगे कि कैसे ग्रीन और क्लीन एनर्जी को प्रचुर मात्रा में और किफायती दरों पर उपलब्ध कराया जा सकता है। मुकेश अंबानी ने अपने पिता और रिलायंस के संस्थापक धीरूभाई अंबानी को याद करते हुए कंपनी के मूल उद्देश्य के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, ÷मेरे पिता, धीरूभाई ने रिलायंस की स्थापना इसी एकमात्र उद्देश्य के साथ की थी कि हमें भारत के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

इक्विटी बाजार में नए निवेशकों की संख्या में आई गिरावट, एनएसई की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के दाखिल होने की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की हालिया रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, नए निवेशकों की संख्या में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। नवंबर में 13.2 लाख नए निवेशक बाजार में दाखिल हुए।

रिपोर्ट के अनुसार, स्टॉक बाजार में कुल निवेशकों की संख्या 12.3 करोड़ है। नवंबर से पहले लगातार दो महीनों में बाजार में निवेशकों की संख्या में ग्रोथ देखी गई थी। एनएसई की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 में निवेशकों के स्टॉक बाजार में दाखिल होने में गिरावट रही है। इसकी वजह वैश्विक बाजार में उथल-पुथल को माना जा रहा है, जिसके चलते नए निवेशक बाजार में दाखिल होने से बचे।

फरवरी 20204 में स्टॉक मार्केट में 9 करोड़ निवेशक थे। इसके बाद अगस्त 2024 में ही ये 10 करोड़ और जनवरी 2025 तक 11 करोड़ हो गए। इस दौरान निवेशकों की संख्या में जबदस्त उछाल आया और करीब 5-6 महीने के अंतराल में एक-एक करोड़ निवेशक बाजार से जुड़े। 2025 में इसमें कमी आई और 11 करोड़ से 12 करोड़ निवेशक होने में करीब 9 माह का समय लगा। एनएसई की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2025 तक उत्तर भारत के निवेशकों की संख्या बाजार में करीब 4.5 करोड़ है। इसके बाद पश्चिम भारत से 3.6 करोड़, दक्षिण भारत से 2.6 करोड़ और पूर्वी भारत से 1.5 करोड़ निवेशक बाजार में सक्रिय हैं। अच्छी बात ये है कि हर क्षेत्र से निवेशकों की संख्या में लगातार तेजी देखी जा रही है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल तैयार....

लखनऊ। एलडीए की बसंतकुंज योजना में 65 एकड़ में फैला राष्ट्र प्रेरणा स्थल बनकर तैयार हो गया है। इस समय फिनिशिंग का काम चल रहा है। यह स्थल ऊपर से देखने पर कमल की आकृति में नजर आता है। यहां पर भारत माता की सुदर्शन चक्र लिए हुए प्रतिमा, कमल के फूल और दीये की आकृति के बड़े मॉडल भी स्थापित किए गए है। इसका लोकार्पण 25 दिसंबर को भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों किया जाएगा। इसके बाद शहर को एक बड़ा आयोजन स्थल और मनोरंजन के लिए नया पार्क मिल जाएगा। प्रेरणा स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पं. दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाएं हैं।

न्यूज विंडो

अनियंत्रित डंपर ने बाइक सवारों को कुचला, दो की मौत, दो गंभीर

रीवा, एजेंसी। जिले के रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरही के पास बीती देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। गिट्टी से लदे एक अनियंत्रित डंपर के नीचे दबने से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना रविवार- सोमवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे की है। गिट्टी से लदा एक तेज रफ्तार डंपर मनिकवार मार्ग की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डंपर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। सूचना मिलते ही रायपुर कर्चुलियान पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और जेसीबी मशीन की मदद से डंपर को सीधा कराया गया और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया। गिट्टी के नीचे दबने और दम घुटने से बाइक सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं, एक अन्य बाइक सवार और ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल पाए गए, जिन्हें तत्काल रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दिल्ली में 'दमघोंटू' हवा से राहत नहीं, बेहद खराब श्रेणी में बरकरार AQI

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में स्थानीय कारकों के चलते प्रदूषण बना हुआ है। ऐसे में हवा की गति धीमी होने के चलते लगातार सातवें दिन भी हवा बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। सुबह की शुरुआत धुंध और कोहरे की मोटी परत से हुई। स्मॉग की घनी चादर दिखाई दी जिसके चलते कई इलाकों में दृश्यता भी बेहद कम रही। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली के अनुसार, रविवार सुबह राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 366 दर्ज किया गया है। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सुबह आठ बजे के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी दिल्ली के अलीपुर में एक्यूआई 391, आनंद विहार में एक्यूआई 404, अशोक विहार में 392, आया नगर में 304, बवाना में 408, बुराड़ी में 341, चांदनी चौक इलाके में 375 एक्यूआई दर्ज किया गया है। वहीं, डीटीयू में 400, द्वारका सेक्टर 8 इलाके में 387, आईजीआई एयरपोर्ट टी3 इलाके में 314, आईटीओ में 370, जहांगीरपुरी में 403 दर्ज किया गया है।

रिटायर्ड अधिकारी के साथ ठगी वीडियो कॉल कर उड़ा लिए लाखों

पंचकूला। बिजली निगम के रिटायर सुपरिटेंडेंट को महिला ठग ने न्यूड काल करके फंसाया। उसके बाद उससे 7 लाख रुपए हड़प लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पंचकूला के सेक्टर-21 निवासी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि वह बिजली निगम से सुपरिटेंडेंट रिटायर है। 29 नवंबर को वह अपने घर पर था। इसी दौरान उसके पास एक वीडियो काल आया। वीडियो काल पर लड़की ने आपत्तिजनक बातचीत करना शुरू कर दी। उसके बाद उसने अपने कपड़े उतार दिए और पूरी तरह न्यूड हो गई। उसने न्यूड होकर बात करना शुरू किया तो उसने फोन काट दिया। फोन बंद करके उसने रख दिया। एक दिसंबर को वह पंचकूला मार्केट में अपने किसी काम से गया हुआ था। उसी दौरान उसके पास एक काल आई। जिसमें काल करने वाले ने खुद को सीबीआइ का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उस युवती ने शिकायत दर्ज करवाई है। गिरफ्तारी से बचना है तो कोर्ट से एक घंटे में एनओसी लेकर दो। कुछ देर बाद कोर्ट के नाम पर एक काल आया। उन्होंने एनओसी के लिए 25 हजार रुपए फीस बताई। साथ में बताया कि यह फीस जांच पूरी होने के बाद रिफंड हो जाएगी।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा- यूनुस देश को अराजकता की ओर ले जा रहे

भारत-बांग्लादेश तनाव के लिए यूनुस जिम्मेदार: शेख हसीना

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के फैसले, बांग्लादेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और भारत-बांग्लादेश संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। एएनआई को दिए एक विस्तृत ईमेल इंटरव्यू में शेख हसीना ने मौजूदा अंतरिम सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया न्याय नहीं, बल्कि राजनीतिक बदले का जरिया है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत-बांग्लादेश के बीच डिप्लोमैटिक तनाव पर बात करते हुए कहा जो तनाव आप देख रहे हैं, वह पूरी तरह से यूनुस की वजह से है। उनकी सरकार भारत के खिलाफ दुश्मनी वाले बयान देती है, धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में नाकाम रहती है और चरमपंथियों को विदेश नीति तय करने देती है और फिर जब तनाव बढ़ता है तो हैरानी जताती है। भारत दशकों से बांग्लादेश का सबसे पक्का दोस्त और पार्टनर रहा है। हमारे देशों के बीच संबंध गहरे और बुनियादी हैं; वे किसी भी अस्थायी सरकार से ज़्यादा समय तक चलेंगे। मुझे भरोसा है कि एक बार जब सही शासन बहाल हो जाएगा, तो बांग्लादेश उस समझदारी वाली पार्टनरशिप पर लौट आएगा जिसे हमने 15 वर्षों में बनाया था।

'ICT का फैसला न्याय नहीं, राजनीतिक दुश्मनी': पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आईसीटी के फैसले पर कहा इस फैसले का न्याय से कोई लेना-देना नहीं है और यह पूरी तरह से राजनीतिक दुश्मनी का मामला है। मुझे अपना बचाव करने का अधिकार नहीं दिया गया और न ही मेरी पसंद के वकील दिए गए। ट्रिब्यूनल का इस्तेमाल अवामी लीग के खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई करने के लिए किया गया।

भारत की जीवनभर रहूंगी आभारी

शेख हसीना ने प्रत्यर्पण की मांगों पर बात करते हुए कहा आप जिन बढ़ती मांगों का जिक्र कर रहे हैं, वे सिर्फ एक ज्यादा से ज्यादा निराश और भटकी हुई यूनुस सरकार की तरफ से आ रही हैं। बाकी सभी लोग आईसीटी प्रक्रिया को वैसा ही देख रहे हैं जैसी वह थी यानी एक राजनीतिक मकसद वाला कंगारू ट्रिब्यूनल। मैं भारत की तरफ से मेरे प्रति दिखाई जा रही एकजुटता और मेहमाननवाजी के लिए खुश और आभारी हूं और हाल ही में भारत की सभी राजनीतिक पार्टियों द्वारा इस रुख का समर्थन करने के लिए भी।

हिंदू युवक को भीड़ ने फैक्ट्री से घसीटा वीडियो आया सामने

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मैमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा की गई नृशंस हत्या के मामले में अब ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जो उस वक्त की भयावह सच्चाई को उजागर करते हैं। इन फुटेज से साफ झलकता है कि घटना के समय पूरे इलाके में भीड़ का राज था और कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज मौजूद नहीं थी। दीपू चंद्र दास को जिंदा जला दिए जाने की घटना ने पूरे प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब इस मामले में पुलिस की ओर से अपनी सफाई सामने आई है, जिसमें देरी से सूचना मिलने को इस त्रासदी की बड़ी वजह बताया गया है।

जीत के बाद गदगद हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बोलें-

धनुष-बाण चिन्ह अब महाराष्ट्र के हर घर में: एकनाथ शिंदे

ठाणे, एजेंसी

महाराष्ट्र नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में मिली सफलता के बाद शिवसेना (शिंदे) गदगद नजर आ रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे ने कहा कि पार्टी ने 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बाद हाल ही में स्थानीय निकाय चुनावों में एक मजबूत स्ट्राइक रेट बनाए रखा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विकासोन्मुखी एजेंडा और जमीनी स्तर पर जुड़ाव को दिया और कहा कि चुनाव परिणामों ने आखिरकार 'असली' शिवसेना को लेकर चल रही बहस को खत्म कर दिया है।

पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री शिंदे ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जनता ने उन्हें घर भेज दिया है, जिन्होंने दूसरों को घरों में कैद रखने की कोशिश की। मतदाताओं ने स्पष्ट रूप से दिखा दिया है कि असली शिवसेना किसकी है। महायुति गठबंधन ने हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में शानदार जीत हासिल की। भाजपा ने 100 से अधिक सीटें जीतकर अग्रणी स्थान प्राप्त किया, जबकि शिवसेना ने 50 से अधिक सीटों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि कम सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद, शिवसेना ने शानदार जीत हासिल की है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव परिणामों से संकेत मिलता है कि कई क्षेत्रों में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की संयुक्त ताकत अकेले शिवसेना द्वारा हासिल की गई सीटों से कम रही। उन्होंने शिवसेना के प्रभाव को ठाणे या मुंबई तक सीमित रखने के आरोपों को खारिज किया। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्र में पार्टी के प्रदर्शन पर जोर दिया।

भारत-नीदरलैंड सहेजेंगे 4500 साल पुरानी पोर्ट सिटी लोथल की विरासत, हुआ समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और नीदरलैंड ने गुजरात के लोथल की समुद्री विरासत को सहेजने के लिए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए हैं। यह लोथल में नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्पलेक्स के निर्माण की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। यह समझौता विदेश मंत्री एस जयशंकर और डच विदेश मंत्री डेविड वैन वील के बीच हुई द्विपक्षीय चर्चा के दौरान हुआ। लोथल में बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय की ओर से नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्पलेक्स तैयार हो रहा है। जिसमें इस समझौते के बाद एम्स्टर्डम स्थित नेशनल मैरीटाइम म्यूजियम भी सहयोग करेगा।

लोथल में मैरीटाइम्स म्यूजियम

भारत और नीदरलैंड के बीच इस समझौते का मकसद मैरीटाइम्स म्यूजियम की योजना और डिजाइन तैयार करने में आपसी जानकारी और तकनीकी दक्षता को अपनाना है, ताकि चीजों को सहेजने और संरक्षण के लिए बेहतर से बेहतर प्रक्रिया का आदान-प्रदान हो सके। इस साझेदारी के दौरान दोनों देश संयुक्त प्रदर्शनी लगाएंगे, आपसी तालमेल के साथ रिसर्च में जुटेंगे और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से जुड़े कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे।

भारत का सबसे पिछड़ा जिला: चंबा में 117 साल पहले लगा था देश का पहला पावर प्रोजेक्ट

तिलंग गांव आज भी अंधेरे में जिंदगी जीने को मजबूर, मोबाइल चार्ज करने दूसरे गांव जाते हैं लोग

चंबा, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश का चंबा जिला देश के सबसे पिछड़े जिलों में शुमार है और यह खबर इस बात की तस्दीक कर रही है। क्योंकि आज़ादी के सात दशक बाद भी ज़िले में एक ऐसा गांव है, जहां आज तक बिजली का बल्ब नहीं जला। इस मामले में अधिक हैरानी इसलिए भी होती है कि चंबा वही जिला है, जहां पर 117 साल पहले भारत का पहला हाईड्रो प्रोजेक्ट लगा था और अब भी इसके कई गांव अंधेरे में हैं।

दरअसल, चंबाजिले के भजोत्रा पंचायत का तिलंग गांव आज भी अंधेरे में ज़िंदगी जीने को मजबूर है। यहां के 7-8 परिवार बिजली के एक बल्ब की टिमटिमाहट देखने का इंतज़ार कर रहे हैं। चारों ओर ऊंचे पहाड़, हरियाली और मनमोहक नज़ारे इस गांव को किसी सुंदर पर्यटन स्थल जैसा बनाते हैं, लेकिन बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के अभाव ने ग्रामीणों की ज़िंदगी को बेहद कठिन बना दिया है। मोबाइल चार्ज करने के लिए ग्रामीणों को करीब दो घंटे पैदल चलकर दूसरे गांव जाना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और रोज़मर्रा के काम भी मुश्किल हो जाते हैं। बिजली न होने के कारण लोग मजबूरन गांव छोड़कर दूसरी जगह रहने को विवश हैं।

इस दौरान लोगों ने बताया कि शादी-ब्याह जैसे आयोजनों में जनरेटर मंगवाना पड़ता है, जो न सिर्फ महंगा है बल्कि दुर्गम रास्तों के कारण पहुंचाना भी बेहद कठिन होता है और बीमारी की स्थिति में मरीज को एंबुलेंस तक पहुंचाने के लिए 8-10 लोगों की जरूरत पड़ती है, जो हालात की गंभीरता को दर्शाता निर्भर हैं।

मेट्रो एंकर

फाइनेंशियल ईयर में कंपनियों ने जमकर दिया चंदा, तीन गुना बढ़ गई पार्टियों की फंडिंग

इलेक्टोरल बॉन्ड रद्द होने के बाद एक साल में ही राजनीतिक दलों पर पैसों की बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट की ओर से इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को रद्द करने के एक साल बाद गजब की तस्वीर सामने आई है। कंपनियों द्वारा समर्थित ट्रस्ट की ओर से राजनीतिक दलों को जमकर चंदा दिया गया है। शीर्ष अदालत की ओर से इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को रद्द करने के बाद पहले फाइनेंशियल ईयर में ही राजनीतिक दलों पर खूब धनवर्षा हुई है। राजनीतिक चंदा देने के मामले में तीन गुना तक की वृद्धि रिकॉर्ड की गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 9 इलेक्टोरल ट्रस्ट ने कुल मिलाकर 3811 करोड़ का चंदा विभिन्न राजनीतिक दलों को दिया है। इसमें भाजपा सबसे बड़ी लाभार्थी पार्टी रही है। कांग्रेस को भी करोड़ों का चंदा मिला है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को रद्द किए जाने के बाद कॉरपोरेट समर्थित इलेक्टोरल ट्रस्ट के जरिए राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में बड़ा उछाल आया है। वित्त वर्ष 2024-25 में 9 इलेक्टोरल ट्रस्ट ने राजनीतिक दलों को कुल 3,811 करोड़ रुपये का दान दिया, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में दिए गए 1,218 करोड़ रुपये की तुलना में तीन गुना से भी ज्यादा है। 'इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग को सौंपे गए योगदान विवरण के अनुसार इस राशि का सबसे बड़ा हिस्सा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिला। भाजपा को 3,112 करोड़ रुपये मिले, जो कुल चंदे का करीब 82 प्रतिशत है। वहीं, कांग्रेस को लगभग 299 करोड़ रुपये यानी करीब 8 प्रतिशत राशि प्राप्त हुई। बाकी सभी राजनीतिक दलों को मिलाकर कुल चंदे का करीब 10 प्रतिशत यानी 400 करोड़ रुपये मिले।

देश में कितने इलेक्टोरल बॉन्ड रजिस्टर्ड

रिपोर्ट में बताया गया है कि फिलहाल देश में 19 इलेक्टोरल ट्रस्ट रजिस्टर्ड हैं, लेकिन 20 दिसंबर तक केवल 13 ट्रस्ट के योगदान विवरण चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध थे। इनमें से 9 ट्रस्ट ने चंदा देने की जानकारी दी, जबकि चार ट्रस्ट (जनहित, परिवर्तन, जय हिंद और जय भारत) ने वित्त वर्ष 2024-25 में कोई चंदा नहीं दिया। प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट इस साल भाजपा का सबसे बड़ा दानदाता बनकर उभरा। इस ट्रस्ट ने भाजपा को 2,180.07 करोड़ रुपये का चंदा दिया। प्रूडेंट ट्रस्ट को जिंदल स्टील एंड पावर, मेघा इंजीनियरिंग, भारती एयरटेल, ऑरोबिंदो फार्मा और टोरेंट फार्मास्युटिकल्स जैसी बड़ी कंपनियों से चंदा मिला। हालांकि, इस ट्रस्ट ने कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और तेलुगु देशम पार्टी को भी दान दिया, लेकिन इसका करीब 82 प्रतिशत हिस्सा भाजपा को गया। प्रोग्रेसिव इलेक्टोरल ट्रस्ट ने 2024-25 में 917 करोड़ रुपये जुटाए और इसमें से 914.97 करोड़ रुपये राजनीतिक दलों को डोनेशन दिया। इसमें से 80.82 प्रतिशत राशि भाजपा को मिली। इस ट्रस्ट के मुख्य दानदाता टाटा समूह की कंपनियां रहीं, जिनमें टाटा संस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और टाटा पावर शामिल हैं। अन्य ट्रस्टों की बात करें तो जनप्रगति इलेक्टोरल ट्रस्ट को KEC इंटरनेशनल लिमिटेड से 1.02 करोड़ रुपये मिले, जिसमें से 1 करोड़ रुपये शिवसेना (यूबीटी) को दिए गए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564